चैत्र कृष्ण पक्ष- 11, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 247 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

14 मार्च 2026 शनिवार

आज का मौसम

37.8 अधिकतम

17.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

ईरान से युद्ध में उलझा अमेरिका और अपने मास्टर प्लान पर आगे बढ़ता चीन

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

अमेरिका के ईरानी युद्ध में फंसने के बीच अपना मौका तलाशते चीन ने दक्षिण महासागर में अपनी विस्तारवादी योजना को तेजी से परवान चढ़ाना शुरू कर दिया है। एक तरफ मध्य-पूर्व में पाकिस्तान और ईरान के जरिए और दूसरी ओर दक्षिण प्रशांत महासागर में छोटे-छोटे द्वीप देशों के साथ वह नेटवर्क विस्तार योजना पर काम कर रहा है। उसकी मंशा इससे अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान को घुटनों पर लाने की है। सवाल यह है क्या चीन धीरे-धीरे दुनिया की समुद्री राजनीति पर कब्जा करने की तैयारी कर रहा है? चीन को ईरान की जरूरत क्यों है? इसका सिलसिला 2021 में चीन और ईरान के बीच 25 साल की रणनीतिक डील से शुरू हुआ था जो आगे बढ़ता ही गया। इसके तहत चीन ने ईरान में लगभग 400 अरब डॉलर निवेश किया और इसके बदले ईरान से सस्ते दामों पर रूस से भी कई गुना मात्रा में कच्चे तेल का आयात किया। खार्ग व्दीप से उसे 90 फीसदी तेल मिलता है जिसके सैन्य ठिकानों को अमेरिका ने बीती रात

'बेल्ट एंड रोड' और ईरान

पाकिस्तान के बाद चीन, ईरान के साथ दुनिया की सबसे बड़ी परियोजना बेल्ट एंड रोड पर भी तेजी से काम कर रहा है। इसके पीछे चीन का सीधा सा मकसद है देश को एशिया, यूरोप और अफ्रीका के रेलवे, सड़क और बंदरगाहों के नेटवर्क से जोड़ना। ईरान, एशिया, मध्य-पूर्व और यूरोप के बीच भौगोलिक पुल जैसा है तो उसकी महत्ता को चीन ने समय रहते समझ लिया। चीन का रेलवे कॉरिडोर मध्य एशिया, ईरान, और फिर यूरोप तक जाता है। इसमें उसके दो फायदे हैं। पहला है यूरोप तक तेज व्रेल और सड़क व्यापार मार्ग । समुद्री रास्तों पर निर्भरता कम और माल की धुलाई में वक्त की बचत। यानी, यदि समुद्री रास्ते बंद हो जाएं, तब भी चीन का व्यापार निर्बाध रूप से चल सकेगा। चीन और ईरान के बीच खुले तौर पर व्यापारिक और परदे के पीछे से सैन्य साझेदारी भी है जिसे कोई नकार नहीं सकता। चीन, रूस और ईरान मिलकर वर्ष 2019 से समुद्री सुरक्षा बेल्ट का नौसेना अभ्यास हिंद महासागर और अरब सागर में अमेरिका को चिढ़ाने के लिए करते हैं। ताजा हालात में रूस यूक्रेन से जंग में उलझा है लेकिन चीन के हाथ खुले हैं। वह इसका भरपूर फायदा भी उठा रहा है। चीन ने अब ईरान में अपनी सेना पीएलए का पहला विदेशी सैन्य बेस जिबौटी में बना लिया है। यहां से वह अफ्रीका, लाल सागर और मध्य-पूर्व पर भी नजर रखता है। दक्षिण प्रशांत महासागर में चीन ने, सोलोमन, किरीबाती, फिजी, पापुआ न्यू गिनी जैसे छोटे द्वीप देशों को बुनियादी ढांचे के विकास और आर्थिक मदद के नाम पर अपने जाल में फांस लिया है। भविष्य में इन व्दीपों पर वह नौसैनिक अड्डे बनाने की मंशा पालकर बैठा है। नए दौर में वर्चस्व की जंग सिर्फ हथियारों से नहीं, व्यापार और उसके लिए पड़ोसी देशों के जरिए सड़क, रेल, समुद्री कनेक्टिविटी जरूरी लड़ी जाना है । सवाल यह है कि पूरी दुनिया में चलते इस खेल का अंजाम क्या होगा? क्या चीन 2035 तक अमेरिका को पीछे छोड़ दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति बन जाएगा?

अमेरिका का बंकर बस्टर बम भी ईरानी सुरंगों के सामने लाचार

अमेरिका ने ऐसे बंकर-बस्टर बम की तकनीक विकसित की है जो अभी किसी और के पास नहीं है। यह जमीन के अंदर या मजबूत कंक्रीट के बंकरों को भेदकर विस्फोट कर सकती है। उसके पास इस तरह के तीन प्रकार के बम हैं, लेकिन सबसे अधिक ताकतवर और ताजा बम है जीबीयू-57। लेकिन, यह भी ईरान की उन सुरंगों को भेदने लायक नहीं जो उसकी क्षमता से परे 80 से 90 मीटर गहरी हैं । जीबीयू-57 आठ से दस मीटर कंक्रीट के बंकर को भेदने और 60 मीटर तक मिट्टी की सुरंगों को भेदकर तबाह कर सकता है। इसे आमतौर पर बी-2 स्ट्रेंथ बाम्बर से गिराया जाता है। अमेरिका के पास ऐसे तीन प्रकार के बम और भी है। इसमें से एक है जीबीयू-43-बी मैसिव आर्डनेंस एयर ब्लास्ट बम । इसे मदर ऑफ ऑल बम कहा जाता है। दूसरा है जीबीयू-28 बंकर बस्टर बम। 1991 के खाड़ी जंग के दौरान इसका उपयोग अमेरिकी ने किया था,लेकिन इसकी क्षमता सीमित है। तीसरा है बंकर बस्टर बम। लेकिन इन पुराने बमों की बात छोड़िए, सबसे शक्तिशाली जीबीयू -57 भी कुदरती तौर पर मजबूत पत्थर वाली पहाड़ियों के नीचे 80 से 90 मीटर गहरी उन सुरंगों को नहीं भेद सकता जो कंक्रीट के ढांचे के नीचे मौजूद हैं। ईरान की ये सुरंगे सर्व सुविधा युक्त हैं। ईरान का परमाणु संयंत्र ऊर्जा संवर्धन का काम इसी में चल रहा है। ईरान का दूसरा संयंत्र है नतंज न्यूक्लियर फैसिलिटी। यानि यूरेनियम संवर्धन केंद्र। यह भी गहरी सुरंगों में स्थित है, जिसे भेदना बेहद मुश्किल है।

न्यूज विंडो

आईडीएफसी बैंक घोटाले में होटल मालिक गिरफ्तार

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में हुए आईडीएफसी बैंक घोटाले में होटल लैंडमार्क के मालिक विक्रम वधावा को चंडीगढ़ क्राइम ब्रांच और ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार कर लिया है। चंडीगढ़ आर्थिक अपराध शाखा ने दो दिन पहले वधावा की रेंज रोवर कब्जे में ली थी। हरियाणा में हुए 590 करोड़ घोटाले मामले में भी विक्रम का नाम है।

परीक्षा के तनाव में छात्रा ने मेट्रो ट्रैक पर लगाई छलांग

नई दिल्ली। द्वारका के सेक्टर-14 मेट्रो स्टेशन पर बोर्ड परीक्षा के तनाव में आकर एक छात्रा ने मेट्रो ट्रैक पर छलांग लगा दी। छात्रा के ट्रैक पर कूदने पर स्टेशन परिसर में अफरा तफरी मच गई। घायल छात्रा के घुटने पर चोट लगी है। सीआईएसएफ कर्मी उसे द्वारका स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर-14 मेट्रो स्टेशन पर एक लड़की ने मेट्रो ट्रैक पर कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया है।

सरकार ने सोनम वांगचुक पर लगा एनएसए हटाया

नई दिल्ली। केंद्र ने आज लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता और इंजीनियर सोनम वांगचुक पर लगा नेशनल सिक्युरिटी एक्ट हटा दिया। गृह मंत्रालय के अनुसार, सोनम ने NSA एक्ट के तहत अपनी हिरासत की अवधि का लगभग आधा हिस्सा पूरा कर लिया है। लद्दाख प्रशासन ने लेह हिंसा के मामले में उन्हें हिरासत में लिया था। अब उनकी रिहाई का रास्ता साफ हो गया है।

आयकर की छापेमारी, 20 करोड़ की संपत्ति जब्त

बांदा। आयकर विभाग की टीमें बांदा व महोबा जिले समेत अन्य राज्यों के धनकुबेरों के यहां छापेमारी कर रही हैं। हमीरपुर संसदीय सीट के पूर्व बसपा प्रत्याशी व वर्तमान भाजपा नेता दिलीप सिंह समेत अन्य छह कारोबारियों के यहां पड़ताल जारी है, जिसमें क्रशर कारोबारी सोमेश भारद्वाज, खनन कारोबारी सीरजध्वज सिंह, हरिशरण सिंह, राहुल सिंह समेत महोबा के तीन क्रशरों के कारोबारियों के आवास और कार्यालयों में आयकर टीमें कालेधन को खंगाल रहीं हैं।

अंदर खास

आलोचना करने वाले विपक्ष को दिया करारा जवाब

भारत की विदेश नीति की आलोचना करने वाले विपक्ष को पूर्व राजनयिक का जवाब : पेज - 8

आज का कार्टून

मोदी की शांति पहल से खुश हैं शशि थरूर

युद्ध अनंत...संकट अनंता... दोनों पक्षों की ओर से हो रहे ताबड़तोड़ हमले

अमेरिका को झटका... बगदाद में दूतावास पर अटैक, सऊदी में एयरफोर्स के पांच विमान तबाह

बग़दाद/तेहरान/तेल अवीव. एजेंसी

ईरान युद्ध के बीच अमेरिका के सैन्य ठिकानों के साथ-साथ उसके राजनयिक प्रतिष्ठान भी हमलों की जद में आते दिखाई दे रहे हैं। आज सुबह इराक की राजधानी बगदाद में स्थित अमेरिकी दूतावास को निशाना बनाकर बड़ा हमला किया गया। यह दूतावास शहर के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले इलाके ग्रीन जोन में स्थित है। इराकी अधिकारियों के मुताबिक, हमलावरों ने एक मिसाइल दागी जो दूतावास परिसर के अंदर बने हेलिपैड के पास आकर गिरी।

हमले के तुरंत बाद दूतावास परिसर से काला धुआं उठता देखा गया, जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, दूतावास में लगे रडार सिस्टम को भी एक आत्मघाती ड्रोन से निशाना बनाने की कोशिश की गई। सोशल मीडिया पर सामने आए कई वीडियो में दूतावास के अंदर से घना धुआं उठता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि अमेरिका की ओर से अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इस हमले में कोई हताहत हुआ है या परिसर को कितना नुकसान पहुंचा है। ईरान के साथ जारी युद्ध में अमेरिका को लगातार अपने विमानों का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

उधर, सऊदी अरब के एक एयरबेस पर खड़े अमेरिकी एयर फोर्स के पांच विमान तबाह होने की खबर सामने आई है। अमेरिकी अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक ये ईंधन भरने वाले टैंकर विमान थे और इन्हें ईरान के हमले से नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने दावा किया किईरान ने इन पांच विमानों पर तब मिसाइलें दागीं, जब वे जमीन पर खड़े थे। जहाजों की मरम्मत हो रही है। एक अन्य

हमास की अपील- पड़ोसी देशों को निशाना न बनाए ईरान, भाईचारा बनाकर रखें

घटनाक्रम में गाजा के उग्रवादी संगठन हमास ने कहा है कि ईरान को अमेरिका और इजराइल के हमलों का जवाब देने का हक है। उसने क्षेत्र के सभी देशों से कहा है कि वे मिलकर इस संघर्ष को रोकने की कोशिश करें और आपस में भाईचारा बनाए रखें।

ट्रैवल सेक्टर को रोजाना 5500 करोड़ का नुकसान : अमेरिका के हमले और मिडिल-ईस्ट में ईरान के हमलों के चलते टूरिस्म इंडस्ट्री को बहुत नुकसान हो रहा है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल का अनुमान है कि ईरान संघर्ष के कारण दुनियाभर के टूर एंड ट्रैवल सेक्टर को रोजाना करीब 5,500 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है।

ईरान में खर्ग द्वीप पर बमबारी

अमेरिका ने ईरान के महत्वपूर्ण खर्ग द्वीप पर सबसे ताकतवर हवाई हमले किए हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि इस हमले में ईरानी सैन्य ठिकानों को पूरी तरह नष्ट किया गया, लेकिन तेल के इंफ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित रखा गया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, अभी मेरे निर्देश पर, अमेरिकी सेनाओं ने मध्य पूर्व के इतिहास के सबसे ताकतवर हवाई हमलों में से एक को अंजाम दिया और ईरान के खर्ग द्वीप के सभी सैन्य लक्ष्य पूरी तरह नष्ट कर दिए। खर्ग द्वीप, जो ईरान के उत्तरी फारस की खाड़ी में स्थित है, ईरान के कच्चे तेल का लगभग 90 फीसदी निर्यात संभालता है। यह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से लगभग 483 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में है।

होर्मुज स्ट्रेट से निकला भारत का दूसरा एलपीजी से लदा जहाज 'नंदा देवी'

युद्ध के बीच ईरान ने भारतीय झंडे वाले टैंकरों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित रास्ता दिया है। एलपीजी टैंकर 'शिवालिक' के सफलतापूर्वक निकलने के बाद अब दूसरा एलपीजी जहाज 'नंदा देवी' भी इस अहम तेल मार्ग से सुरक्षित बाहर निकल गया है। सरकारी सूत्रों ने आज बताया कि 'शिवालिक' को भारतीय नौसेना सुरक्षा दे रही है। उन्होंने बताया कि इस बीच 'नंदा देवी' 46,000 मीट्रिक टन से ज्यादा लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस ला रही है, जो भारत की एनर्जी सप्लाई चेन के लिए बहुत जरूरी है।

इंडिगो लगाएगा ईंधन अधिभार

टिकट 425 से 2300 रुपए तक होंगे महंगे

नई दिल्ली. एजेंसी

विमानन कंपनी इंडिगो ने जेट ईंधन की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। कंपनी ने आज से अपनी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के टिकटों पर ईंधन अधिभार लगाने का फैसला किया है। इस कदम से यात्रियों को अब अपनी यात्रा के लिए अधिक भुगतान करना होगा।

इंडिगो की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह अधिभार 425 रुपये से लेकर 2,300 रुपये तक होगा। यह बढ़ोतरी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह की उड़ानों पर लागू होगी। कंपनी ने बताया कि यह निर्णय जेट ईंधन की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के कारण लिया गया है। पिछले कुछ समय से वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। इसका सीधा असर विमानन कंपनियों के परिचालन लागत पर पड़ रहा है।

पीएम मोदी बोले- कांग्रेस ने असम के युवाओं को गुमराह किया, उन्हें आतंकवाद की ओर धकेला

गुवाहाटी. एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में असम के युवाओं को गुमराह किया। उन्हें हिंसा और आतंकवाद के रास्ते पर धकेला। लेकिन आज यह राज्य अवसरों का सागर है। कांग्रेस ने 'फूट डालो-राज करो' नीति में रखा। आज असम खुला आसमान है। असम भारत के सेमीकंडक्टर सेक्टर का अहम हिस्सा बन रहा है। राज्य ने सरकारी नौकरियों के रास्ते खोले हैं। प्रधानमंत्री आज असम के सिलचर में 24 हजार करोड़

रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सिचलर बराक घाटी का गेटवे है। लेकिन कांग्रेस ने नॉर्थ ईस्ट को दिल्ली से और दिल से दूर रखा था। कांग्रेस ने नॉर्थ ईस्ट को भुला दिया था, लेकिन बीजेपी की डबल इंजन की सरकार ने इसे ऐसे कनेक्ट किया जिसकी हर जगह चर्चा है। नॉर्थ ईस्ट आज दक्षिण एशिया जोड़ने वाला सेतु बन रहा है। इसके पहले अपने संबोधन में पीएम मोदी ने असम की बराक घाटी की अहमियत पर बात करते हुए कहा ये वो जगह है, जिसने भाषा, संस्कृति को मिलाकर एक विशेष पहचान बनाई है। बराक नदी के उपजाऊ मैदानों, यहां के चाय बागानों ने यहां के किसानों, व्यापार मार्गों और शिक्षा संस्थानों को हमेशा प्रेरित किया है।

मजदूर की मौत से गुस्सा, अडाणी पावर प्लांट में आग लगाई, गाड़ियों में तोड़फोड़

सिंगरौली. एजेंसी

सिंगरौली जिले के माडा थाना क्षेत्र के बधौरा स्थित अडाणी पावर प्लांट में आज सुबह मजदूर की मौत के बाद जमकर हंगामा हो गया। गुस्साए मजदूरों ने प्लांट परिसर में तोड़फोड़ करते हुए आग लगा दी। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आग प्लांट के किस हिस्से में लगी। सामने आए वीडियो में दूर से काले धुएं का बड़ा गुबार नजर आ रहा है। प्लांट के अंदर एक साइट के नीचे भी आग लगी हुई है। हालात को काबू में करने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी तैनात किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, प्लांट में काम करने

वाले मजदूर लल्लन सिंह की शुक्रवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई थी। मृतक मूल रूप से झारखंड के गढ़वा जिले का रहने वाला था और लंबे समय से इसी प्लांट में काम कर रहा था। मजदूर की मौत की खबर फैलते ही साथी मजदूरों में आक्रोश फैल गया।

मेट्रो एंकर

लुधियाना का रहने वाला था समरजीत, मेडिकल टीम की मदद के बहाने मोर्चे पर भेज दिया

डॉक्टरी पढ़ने रूस गए युवक को धोखे से युद्ध में भेजा... ताबूत में आया शव

लुधियाना. एजेंसी

पंजाब के लुधियाना के एक परिवार ने अपने 22 वर्षीय बेटे को बेहतर जिंदगी और पढ़ाई के लिए रूस भेजा था। लेकिन उसे धोखे से रूस-यूक्रेन युद्ध में लड़ने के लिए भेज दिया गया, जहां उसकी मौत हो गई। युवक का शवअब एक ताबूत में किसी अजनबी वर्दी के साथ घर लौटा है। परिवार का कहना है कि समरजीत सिंह डॉक्टर बनने के लिए विदेश गया था। परिवार के मुताबिक, समरजीत को रूसी सेना में डॉक्टरों की एक टीम की सहायता करने के बहाने शामिल कराया गया था, लेकिन उसे रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध क्षेत्र में भेज दिया गया, जहां एक हमले में उसकी मौत हो गई। परिवार के पास विगत 11 मार्च को रूस से एक फोन आया कि समरजीत रूसी सेना की तरफ से लड़ते हुए युद्ध में मारा गया। बेटे की मौत की खबर मिलने के बाद पूरे परिवार पर शोक का साया छा गया। इससे भी

ज्यादा दुखद बात यह थी कि पिछले कुछ महीनों से परिवार इस दुविधा में था कि उनका बेटा जिंदा है या मर चुका है। पिता चरणजीत सिंह ने रोते-बिलखते हुए बताया कि उनका बेटा एक्स-रे टेक्नीशियन का डिप्लोमा करने के बाद जुलाई 2025 में आगे की पढ़ाई के लिए रूस गया था। चरणजीत कहते हैं कि मैं नहीं चाहता था कि मेरा बेटा आगे की पढ़ाई के लिए रूस जाए, लेकिन वह अपनी बात पर अड़ा रहा। मेरे बेटे को पता था कि भारत में उसकी पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए मेरे पास सीमित साधन हैं, इसलिए उसने विदेश जाने का फैसला किया। जाने से पहले, समरजीत ने मुझसे वादा किया था कि डॉक्टर बनने के बाद वह भारत लौट आएगा, लेकिन मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मेरा बेटा ताबूत में घर लौटेगा।

ताबूत में टुकड़ों में मिला शव

चरणजीत सिंह ने दावा कि समरजीत का शव ताबूत में टुकड़ों में मिला, जिसके साथ सेना की वर्दी भी थी। उन्होंने बताया कि उस वर्दी पर उनके बेटे के नाम की नेमप्लेट लगी हुई थी। उन्होंने बताया कि उनके बेटे के मृत्यु प्रमाण पत्र में मृत्यु की तारीख 10 सितंबर दर्ज है, जिसका मतलब है कि परिवार को आखिरी कॉल करने के ठीक एक दिन बाद उनकी मौत हो गई थी। हमने अपने बच्चे को ढूंढने में मदद के लिए राज्य और केंद्र की सभी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं से मुलाकात की थी, लेकिन किसी ने हमारी मदद नहीं की। 11 मार्च को ही हमें रूस से एक कॉल आया कि समरजीत की रूस में सेना के लिए लड़ते हुए मौत हो गई है और हमें उसका शव दिल्ली एयरपोर्ट से लेने के लिए कहा गया।

9 सितंबर को आखिरी बार हुई बात

चरणजीत सिंह एक छोटी सी किराने की दुकान चलाते हैं। उन्होंने बताया कि दो महीने के भीतर ही उनके बेटे को रूसी सेना में शामिल करवा दिया गया। उन्होंने बताया कि उनके बेटे से बहाना बनाया गया कि इससे उसके पेशेवर अनुभव में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने आगे कहा कि उनके बेटे को बताया गया कि उसे युद्ध के मोर्चे पर तैनात नहीं किया जाएगा, बल्कि वह सेना में डॉक्टरों की सहायता ही करेगा। चरणजीत सिंह ने खुलासा किया कि उनके बेटे ने उन्हें 9 सितंबर 2025 को आखिरी बार कॉल किया था, लेकिन वह वीडियो कॉल साफ नहीं थी। उन्होंने बताया कि ऐसा लग रहा था कि शायद उसने युद्ध के मोर्चे से ही कॉल किया हो। उसके बाद से समरजीत ने भारत में अपने परिवार से कोई संपर्क नहीं किया है।

नवंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच जा चुकी है आठ बाघों की जान

बांधवगढ़ में बाघों की मौत पर वन विभाग मौन एसआईटी गठन के बाद भी नहीं मिली रिपोर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में नवंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच आठ बाघों की मौत का मामला अभी तक पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाया है। इन मौतों की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) 52 दिन बीतने के बाद भी अपनी रिपोर्ट वन मुख्यालय को नहीं सौंप सकी है। इससे पूरे वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए यह मुद्दा अब न्यायिक जांच के दायरे में भी पहुंच गया है और इस पर सुनवाई चल रही है।

15 दिन में देनी थी रिपोर्ट

तत्कालीन वन बल प्रमुख वीएन एम्बाडे ने 19 जनवरी को एसआईटी का गठन करते हुए 15 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए थे। हालांकि निर्धारित समय सीमा बीतने के बाद भी रिपोर्ट तैयार नहीं हो सकी। सेवानिवृत्ति से ठीक पहले 23 फरवरी को उन्होंने दोबारा पत्र लिखकर जांच रिपोर्ट जल्द भेजने के निर्देश दिए, लेकिन इसके बावजूद वन मुख्यालय को रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई।

हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई

बाघों की मौत के मामले में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान वन विभाग ने प्रारंभिक जानकारी दी है। विभाग के अनुसार टाइगर रिजर्व के भीतर दो बाघों की मौत आपसी संघर्ष के कारण हुई। एक बाघ कुएं में गिरकर डूब गया, जबकि एक अन्य बाघ की मौत बीमारी से बताई गई है। इसके अलावा चार बाघों की मौत बिजली के करंट लगने से हुई।

बाघ प्रबंधन पर उठ रहे सवाल

लगातार हो रही बाघों की मौतों ने राज्य में वन्यजीव प्रबंधन को लेकर चिंता बढ़ा दी है। वर्ष 2025 में ही मध्य प्रदेश में 55 बाघों की मौत दर्ज की गई थी, जिससे बाघ संरक्षण की रणनीति पर सवाल खड़े हो गए हैं।

145 करोड़ की योजना के बावजूद हालात गंभीर

राज्य सरकार ने जंगलों के आसपास मानव गतिविधियों को नियंत्रित करने और मानव-बाघ संघर्ष रोकने के लिए तीन वर्ष की कार्ययोजना बनाई थी। इसके लिए 2025 में करीब 145 करोड़ रुपये का बजट भी मंजूर किया गया था। इसके बावजूद बाघों की मौत की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

मध्य प्रदेश में बाघों की स्थिति

2022 की गणना के अनुसार भारत में कुल 3,167 बाघ हैं, जिनमें से 785 बाघ अकेले मध्य प्रदेश में पाए जाते हैं। आंकड़ों के मुताबिक 2021 में भारत में 127 और मध्य प्रदेश में 45 बाघों की मौत हुई थी। वहीं 2025 में देशभर में 166 और मध्य प्रदेश में 55 बाघों की मौत दर्ज की गई। वन बल प्रमुख सुभारंजन सिंह ने कहा कि बांधवगढ़ के अलावा शहडोल क्षेत्र में भी बाघों की मौत के मामले सामने आए हैं और संभव है कि अद्यतन डाटा के साथ रिपोर्ट जल्द वन मुख्यालय को भेजी जाए।

गैंगवार : हिस्ट्रीशीटर के घर फायरिंग, बेटे को लगी गोली

हमीदिया अस्पताल पहुंचे तो बदमाशों ने वहां भी गोलीबारी की, खिड़कियों और दीवार पर लगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शनिवार तड़के हुए गैंगवार में गोलियां चलीं। कुख्यात बदमाश लल्लू रईस के अशोका गार्डन स्थित घर पर शादाब गेट और उसके गिरोह के 8 से 10 साथियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस हमले में लल्लू रईस के बेटे इमरान के पैर में गोली लगी है। गोलीबारी को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से भाग निकले। घायल इमरान को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल ले जाया गया। आरोप है कि बदमाशों ने अस्पताल परिसर में भी घुसकर गोलियां चलाईं, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। गोलियां अस्पताल की खिड़की और दीवार पर जाकर लगीं। लल्लू रईस ने बताया कि अस्पताल में मुझ पर भऊी फायरिंग की गई। गनीमत रही कि कोई गोली नहीं लगी।

पुलिस के मुताबिक मामला अशोका गार्डन और कोहेफिजा थाना क्षेत्र से जुड़ा है। दोनों थानों की पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई हैं। लल्लू रईस के मुताबिक शादाब गेट, शावर, गुड्डू स्टेशन और अल्लू परवेज समेत 8 से 10 लोग शनिवार सुबह करीब 5.45 बजे शंकर गार्डन स्थित उनके घर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि आरोपी उनके बेटे इमरान का पीछा करते हुए घर तक आए थे। इमरान जैसे ही घर पहुंचा, आरोपियों ने पीछे से उस पर फायरिंग कर दी। जान बचाने

हमले में घायल हुआ लल्लू रईस का बेटा इमरान

के लिए इमरान तुरंत घर के अंदर घुस गया और गेट लॉक कर लिया। इसी दौरान चली एक गोली उसके पैर को छूते हुए निकल गई, जिससे वह घायल हो गया।

दो साल पहले की रंजिश, बदले के लिए अटैक: लल्लू रईस का कहना है कि करीब दो साल पहले इमरान ने शादाब गेट के भाई पर हमला किया था, जिसमें उसकी उंगलियां कट गई थीं। उसी रंजिश का बदला लेने के लिए यह हमला किया गया।

जुआ और सट्टे का अवैध कारोबार चलाते हैं: लल्लू रईस के अनुसार आरोपी शहर के अलग-अलग इलाकों में जुआ और सट्टे का अवैध कारोबार चलाते हैं। वह इनके काले कारनामों के वीडियो बनाकर उजागर करते हैं, जिसके बाद पुलिस कार्रवाई करती है और उनके अवैध कारोबार बंद हो जाते हैं। इसी वजह से आरोपी उनकी हत्या करना चाहते हैं। घटना को लेकर एसीपी अनिल बाजपेयी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

टिफिन चलाने वाली महिला के बैंक खाते से चार लाख रुपए उड़ाए

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के एक खाते को जालसाजों ने हैक कर लिया। इसके बाद दो किस्त में एक ही दिन के भीतर में चार लाख रुपए निकाल लिए गए। इस मामले की शिकायत सायबर क्राइम से हुई थी। शालिनी सहस्त्रबुद्धे उम्र 70 साल सागर ईडन गार्डन कॉलोनी में रहती हैं। वे भोपाल फुडीज नाम से टिफिन सेंटर का संचालन करती हैं। कारोबार के लिए शालिनी ने पेटीएम का बिजनेस एप मोबाइल पर इंस्टाल कर रखा है। वह हर रोज होने वाले व्यापारिक लेन-देन के संबंध में अगले दिन चेक करती हैं। उन्होंने एक दिन खाता चेक किया तो सिर्फ 951 रुपए थे। बैंक ने बताया कि उनका खाता हैक हुआ है। इस संबंध में सायबर क्राइम से जाकर शिकायत दर्ज कराए।

प्रतापगढ़ एक्सप्रेस में सवार थे दंपति

ट्रेन में बैग से लाखों रुपए का सामान चोरी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ट्रेनों में चोरी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला प्रतापगढ़ एक्सप्रेस का है जिसके आरक्षित कोच में घुसकर एक वृद्ध दंपति का बैग बदमाश उठा ले गए। बैग में करीब साढ़े तीन तोला वजनी जेवरात और अन्य सामान रखे थे। पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज करके बताया कि चोरी गया माल एक लाख, 75 हजार रुपए का हैं। बदमाशों का पता लगाने रेलवे स्टेशनों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की छानबीन की जा रही है।

पुलिस के अनुसार शिव बहादुर यादव पिता महादेव यादव उम्र 70 साल रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ी बाजाफ्ता में रहते हैं। वे पत्नी माधुरी यादव के साथ उत्तर प्रदेश के राय बरेली गए थे। वहां से भोपाल लौटने के लिए उन्होंने 12184 प्रतापगढ़ एक्सप्रेस में आरक्षण कराया था। शिव बहादुर यादव एस-8 कोच में सवार थे। ट्रेन जब 10 मार्च को भोपाल जंक्शन के आऊटर पर खड़ी थी तो उनकी नींद खुली। दंपति ने सीट के नीचे बैग रखा था। उसे निकालना चाहा तो वह गायब था। उसी बैग के भीतर सोने की झुमकी, कान के टॉप्स, मंगलसूत्र, दो अलग-अलग अंगूठी, इस्तेमाली कपड़ों के अलावा कई अन्य सामान रखा था। वृद्ध ने बुधवार को भोपाल जीआरपी थाने पहुंचकर इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई।

मिसरोद में कचरे का अंबार, लोगों की बढ़ी परेशानी

भोपाल। मिसरोद क्षेत्र में नगर निगम की लापरवाही के कारण सड़कों पर कचरे की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। इलाके में कई जगहों पर कचरे के ढेर लगे हुए हैं, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित रूप से कचरा उठाने की व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़कों और खाली स्थानों पर कचरा जमा होता जा रहा है। मिसरोद की कई कॉलोनियों और मुख्य मार्गों पर फैला कचरा न केवल क्षेत्र की स्वच्छता को प्रभावित कर रहा है, बल्कि बदबू और गंदगी के कारण लोगों का वहां से गुजरना भी मुश्किल हो गया है। कचरे के ढेर के कारण आवारा पशु भी वहां मंडराते रहते हैं, जिससे सड़क पर दुर्घटना का खतरा भी बढ़ जाता है।

29 से लागू होगा समर सीजन शेड्यूल

एयर कनेक्टिविटी बढ़ेगी 40 उड़ानों का होगा संचालन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

29 मार्च से लागू होने जा रहे समर सीजन शेड्यूल के साथ भोपाल की हवाई कनेक्टिविटी में बढ़ोतरी होने जा रही है। नए शेड्यूल के तहत मुंबई और हैदराबाद के लिए अतिरिक्त उड़ानें शुरू होंगी, जिससे यात्रियों को अधिक विकल्प मिल सकेंगे। नई व्यवस्था लागू होने के साथ भोपाल से कुल 40 उड़ानों का संचालन होने लगेगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी का मानना है कि समर सीजन में उड़ानों की संख्या बढ़ने से राजधानी से देश के प्रमुख शहरों के बीच संपर्क और बेहतर होगा।

शेड्यूल अनुसार इंडिगो एयरलाइंस मुंबई और हैदराबाद के लिए अतिरिक्त उड़ान शुरू करेगी। अभी तक भोपाल से मुख्य रूप से इंडिगो और एयर इंडिया ही उड़ान सेवाएं संचालित कर रही हैं, लेकिन आने वाले समय में अन्य एयरलाइंस के जुड़ने की संभावना जताई है। समर सीजन के दौरान एयर इंडिया एक्सप्रेस भोपाल में अपना बेस स्टेशन भी शुरू करने जा रही है। कंपनी बेंगलुरु के लिए उड़ान सेवा संचालित करते हुए यहां से अपनी गतिविधियां शुरू करेगी। इसके लिए एयरपोर्ट पर कार्यालय और बुकिंग सेंटर के लिए जगह भी किराये पर ली जा चुकी है। माना जा रहा है कि भविष्य में यह एयरलाइन उन रूटों पर भी उड़ानें शुरू कर सकती है जिनकी मांग लंबे समय से बनी हुई है। नए शेड्यूल के अनुसार भोपाल से दिल्ली, मुंबई, नवी मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, अहमदाबाद और रायपुर के लिए उड़ान सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इन उड़ानों का संचालन इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा किया जाएगा। इससे यात्रियों को देश के कई बड़े शहरों तक सीधी कनेक्टिविटी मिल सकेगी। दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा उड़ानें समर सीजन में दिल्ली के लिए सबसे अधिक सात दैनिक उड़ानों का संचालन होगा। इससे यात्रियों को दिन के अलग-अलग समय पर दिल्ली जाने का विकल्प मिलेगा। साथ ही दिल्ली से अन्य शहरों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़ना भी आसान हो जाएगा। वहीं मुंबई के लिए चार, बेंगलुरु के लिए तीन और हैदराबाद के लिए दो उड़ानें उपलब्ध रहेंगी। पुणे, अहमदाबाद और रायपुर के लिए भी नियमित सेवाएं जारी रहेंगी।

वन विभाग को बोरवन पार्क में मिल रही थी शोर-शराबे की शिकायतें, लगाया प्रतिबंध

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

प्राकृतिक सुंदरता और शांति के केंद्र 'बोरवन पार्क' में अब तेज आवाज में गाने-बजाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। लंबे समय से वन विभाग को शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ समूह और व्यक्ति पार्क परिसर में लाउडस्पीकर और तेज आवाज वाले उपकरणों का उपयोग कर रहे हैं, जिससे वहां का शांत वातावरण दूषित हो रहा था। वन विभाग के अधिकारियों ने पहुंचकर नियमों का उल्लंघन करने वालों को सख्त हिदायत दी और चेतावनी दी कि यदि भविष्य में ऐसी गतिविधियां पाई गईं, तो संबंधित व्यक्तियों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। विभाग की इस सक्रियता के बाद आज से पार्क में संगीत और शोर-शराबे वाली गतिविधियों पर पूरी तरह विराम लग गया है। अधिकारियों ने यह संदेश साफ कर दिया है कि यह सार्वजनिक स्थल मनोरंजन के शोर के लिए नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक शांति के अनुभव के लिए है। भविष्य में नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की चेतावनी जारी की गई है। स्थानीय निवासियों और नियमित रूप से पार्क आने वाले लोगों का कहना है कि तेज आवाज के कारण वहां आने वाले वरिष्ठ नागरिकों, स्वास्थ्य लाभ ले रहे मरीजों और शांत वातावरण की तलाश में आने वाले पर्यटकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। मानवीय परेशानियों के साथ-साथ यह शोर पार्क की जैव विविधता के लिए भी एक बड़ा खतरा बन गया था। विशेष रूप से, पार्क में विचरण करने वाले मोर और अन्य पक्षी इस कृत्रिम शोर से विचलित हो रहे थे, जिससे उनके प्राकृतिक आवास पर बुरा प्रभाव पड़ रहा था। इसके अतिरिक्त, अधिकारियों के ध्यान में यह बात भी आई कि पार्क के उन क्षेत्रों में, जहाँ प्रवेश या गतिविधियां प्रतिबंधित हैं, वहां लोग बड़े स्तर पर जन्मदिन की पार्टियाँ और अन्य समारोह आयोजित कर रहे थे, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुँच रहा था। वन विभाग ने अब स्पष्ट कर दिया है कि बोरवन पार्क का प्राथमिक उद्देश्य प्राकृतिक संतुलन बनाए रखना और लोगों को प्रदूषण मुक्त वातावरण प्रदान करना है।

राजेंद्र शर्मा 'अक्षर' के गीत संग्रह का लोकार्पण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वरिष्ठ गीतकार राजेंद्र शर्मा अक्षर के सद्य प्रकाशित गीत संग्रह 'भूल जाने में ही भलाई है' का मुक्तिबोध सृजनपीठ संस्कृति परिषद द्वारा दुष्यन्त कुमार समारक पाण्डुलिपि सभागार में लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित साहित्यकारों ने कहा कि राजेंद्र शर्मा जमीन से जुड़े रचनाकार हैं। उनके गीतों में हमारे समाज और अपने पास की चिंता है, उनके गीत पाठक को अपने जैसे लगते हैं। राजेंद्र शर्मा अक्षर ने लोकार्पित कृति से संग्रह के शीर्षक गीत का वाचन किया। इस अवसर डॉ. विकास दवे निदेशक साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद भोपाल, डॉ. उमेश कुमार सिंह पूर्व निदेशक साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश, ऋषि कुमार मिश्रा निदेशक मुक्तिबोध सृजन पीठ, मनोज श्रीवास्तव सेवा निवृत्त प्रशासनिक अधिकारी एवं सम्पादक 'अक्षरा' , वरिष्ठ साहित्यकार पुरषोत्तम तिवारी साहित्यार्थी, घनश्याम मैथिल अमृत पर मंच पर उपस्थित थे। कार्यकम का संचालन वरिष्ठ कवि एवं पत्रकार दीपक पगारे ने किय। इस अवसर पर भोपाल के अनेक साहित्यकार एवं लेखक उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर | दो दिवसीय बाल साहित्य राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

बाल साहित्य से हो सकती है प्राकृतिक चेतना की रक्षा: गर्ग

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश द्वारा स्व. कृष्ण कुमार अष्ठाना की स्मृति में दो दिवसीय बाल साहित्य राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार एवं बाल पत्रिका बालवाटिका के संपादक भेरूंलाल गर्ग ने कहा कि बाल साहित्य के माध्यम से बच्चों में प्राकृतिक चेतना और संस्कारों का विकास किया जा सकता है। गर्ग ने कहा कि बालकों को हम जैसा वातावरण देंगे, सांस्कृतिक, पारिवारिक, सामाजिक, जो हमारा है, वो उनको श्रेष्ठ बनाता है। प्राकृतिक चेतना की रक्षा बाल साहित्य द्वारा कर सकते हैं। उपदेश से परहेज क्यों ? बच्चे को दिशा-निर्देश दें। इस अवसर पर साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे, भेरूँलाल गर्ग, दिनेश पाठक, डॉ. मीनू

पाण्डेय 'नयन', डॉ. रमेश यादव, डॉ. विमला भंडारी और डॉ. नागेश पांडेय 'संजय' सहित देशभर के बाल साहित्यकार उपस्थित रहे। इस दो दिवसीय संगोष्ठी का समापन आज होगा। संगोष्ठी के प्रथम सत्र में 'बाल मनोविज्ञान और बाल साहित्य सृजन' विषय पर समीक्षा तैलंग, डॉ. रश्मि अग्रवाल, डॉ. वर्षा महेश, शीला पाण्डेय, डॉ. सुनीता श्रीवास्तव सहित अन्य वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। द्वितीय सत्र में 'बाल साहित्य में बदलती परिवार व्यवस्था, शिक्षक एवं समाज की भूमिका' विषय पर चर्चा हुई। तीसरे सत्र में देशप्रेम, राष्ट्रीयता, पर्यावरण और भारतीय संस्कृति से जुड़े विषयों पर विचार रखे गए, जबकि चौथे सत्र में 'बाल साहित्य में कल्पना और यथार्थ' विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए। देर रात यहां कवि सम्मेलन हुआ। जिसमें अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे व सैकड़ों बाल साहित्यकारों की मौजूदगी में अनुरंजन कार्यक्रम 8.30 बजे से कवि सम्मेलन के रूप में हुआ। इसके साथ ही बाल रचनाकारों ने इस में अपनी रचनाओं से श्रोताओं को प्रभावित किया।

प्रमोशन में देरी के चलते गड़बड़ाया है प्रशासनिक कैडर

एमपी में आईएएस के 68, आईपीएस के 48-आईएफएस के 87 पद खाली

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी में सभी प्रमोटी अफसरों को कलेक्टर, एसपी और डीएफओ बनने का मौका भले ही नहीं मिल पा रहा है, लेकिन यहां अखिल भारतीय सेवा के इन तीन कैडर के 203 पद खाली हैं। केंद्र सरकार इन पदों पर भर्ती नहीं कर पा रही है और राज्य सरकार भी राज्य प्रशासनिक सेवा, राज्य पुलिस सेवा और राज्य वन सेवा के अफसरों को समय पर पदोन्नति दिलाने की कार्रवाई में देरी कर पद रिक्त बनाए रखने का काम कर रही है। एक जनवरी 2025 की स्थिति में केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़े बताते हैं कि एमपी में आईएएस के 68 पद, आईपीएस के 48 और आईएफएस कैडर के 87 पद खाली हैं। संसद में सरकार द्वारा पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के विभिन्न कैडर में लगभग 1,300 पद खाली हैं। देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मिलाकर कुल आईएएस की स्वीकृत संख्या 6,877 है, जबकि वर्तमान में 5,577 अधिकारी कार्यरत हैं। इससे लगभग 1,300 पद खाली रह जाते हैं, जो लगभग 18.9 प्रतिशत है। यह कमी केवल आईएएस तक ही सीमित नहीं है।

सरकार के आंकड़ों से पता चलता है कि तीनों अखिल भारतीय सेवाओं आईएएस, आईपीएस और आईएफएस में पद खाली हैं। तीनों सेवाओं में कुल मिलाकर 15,169 अधिकारियों की स्वीकृत संख्या के मुकाबले 2,834 पद रिक्त हैं।

प्रमोशन समय पर हों तो सुधार की गुंजाइश- इस मामले में प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि संघ लोक सेवा आयोग की भर्ती के अलावा राज्यों में प्रमोशन से भरने वाले पदों के जरिये इस रिक्तता को कम किया जा सकता है लेकिन सामान्य प्रशासन विभाग, गृह विभाग और वन विभाग के अफसरों की लापरवाही और देरी के चलते तीनों ही कैडर की डीपीसी समय से नहीं हो रही है और इसका असर पद रिक्त होने के रूप में साफ दिख रहा है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक अनुभव की टाइम लिमिट को भी जिम्मेदार बताया जा रहा है।

प्रशासनिक और नीतिगत कामों पर सीधा असर

अधिकारियों का मानना है कि स्वीकृत पदों के न भर पाने से कई दिक्कतें होती हैं। हालांकि पद रिक्त रहने के कई संरचनात्मक कारण भी बताए जा रहे हैं। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से वार्षिक भर्ती सीमित है, जबकि हर साल सेवानिवृत्ति जारी हैं। राज्य सिविल सेवाओं से आईएएस में अधिकारियों की पदोन्नति में देरी ने भी इस अंतर को और बढ़ा दिया है। इसके अलावा कई राज्यों ने भर्ती में समानुपातिक वृद्धि किए बिना अपने कैडर की संख्या बढ़ा दी है।

दबाव में काम करते हैं अधिकारी

अफसरों के अनुसार पद रिक्त होने का असर फील्ड वर्किंग में साफ दिखता है। मंत्रालय में भी एक आईएएस अधिकारी एक साथ कई महत्वपूर्ण कार्यभार संभालता है। विशेष रूप से जिला और सचिवालय स्तर पर ऐसी स्थिति बनती है जिससे पहले से ही दबाव में काम करने वाली प्रशासनिक व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

सीएम यादव का अभिनंदन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का ग्वालियर के घाटीगांव में रोड शो में नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर अभिनन्दन किया।

लोक निर्माण विभाग की नई गाइडलाइन

सड़क निर्माण के लिए अब सरकारी के साथ प्राइवेट लैब से भी जांच जरूरी

भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए उठाया सख्त कदम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में रफनेस के बाद सड़कों की निर्माण सामग्री की जांच का पैटर्न भी बदला जा रहा है। मप्र में सड़कों और सरकारी भवनों के निर्माण में होने वाली गुणवत्ता की अनदेखी और भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए लोक निर्माण विभाग ने एक बड़ा और सख्त कदम उठाया है। विभाग ने निर्माण सामग्री के परीक्षण (मटेरियल टेस्टिंग) की पुरानी व्यवस्था को बदलते हुए अब नई गाइडलाइन जारी कर दी है। इस नए आदेश का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अब ठेकेदारों को निर्माण सामग्री की जांच के लिए निजी लैब पर निर्भर रहने की छूट नहीं मिलेगी। अब 10त्न जांच सरकारी लैब में और 10त्न प्राइवेट लैब से कराना अनिवार्य होगा। अब तक की व्यवस्था में सड़क या भवन निर्माण में इस्तेमाल होने वाली गिट्टी, सीमेंट, डामर और मिट्टी की जांच का काम केवल निजी प्रयोगशालाओं के जरिए ही कराया जाता रहा है। विभागीय स्तर पर कोई कड़ा नियंत्रण न होने के कारण अक्सर यह शिकायतें आती थीं कि निजी लैब और ठेकेदारों की जुगलबंदी से खराब गुणवत्ता वाली सामग्री को भी पास करा लिया जाता था। लेकिन, पहली बार विभाग ने इस एकाधिकार को खत्म करते हुए परीक्षण का अनुपात तय कर दिया है।

मप्र में कुल सड़कें

लोक निर्माण विभाग की कुल सड़कें 77268 किलोमीटर लंबी हैं। इसमें राष्ट्रीय राजमार्ग 9,278 किमी, स्टेट हाइवे 10,465 किमी, मुख्य जिला मार्ग 22,517 किमी और अन्य जिला एवं ग्रामीण मार्ग 35,008 किमी है। प्रदेश में लगभग 6,000 किमी फोरलेन और 13,000 किमी डबल लेन सड़कें हैं। इसमें से 20 फीसदी सड़कें हर साल नए सिरे से बनाई जाती है। विभाग ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए यह संशोधन किया गया है । 06 सितंबर 2019 के पुराने निर्देशों को बदलते हुए विभाग अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि सरकारी पैसा जिस सड़क पर लग रहा है, वह लंबे समय तक चले और ठेकेदार गुणवत्ता के नाम पर खानापूर्ति न कर सकें।

1 अप्रैल से सब कुछ होगा

डिजिटल विभाग ने जांच के साथ रिपोर्टिंग की व्यवस्था भी बदल दी है। अब सभी परीक्षणों की एंट्री %वर्क्स मैनेजमेंट सिस्टम% (डब्ल्यूएमएस) पोर्टल पर ऑनलाइन करना अनिवार्य होगा। कार्यपालन यंत्रियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि 1 अप्रैल से बिना ऑनलाइन प्रविष्टि के कोई भी गुणवत्ता रिपोर्ट मान्य नहीं की जाएगी । इससे अब मुख्यालय में बैठे वरिष्ठ अधिकारी एक क्लिक पर देख सकेंगे कि किस प्रोजेक्ट में सामग्री की जांच किस लैब में हुई है और उसका नतीजा क्या रहा।

नकल रोकने के लिए विश्वविद्यालय की नई पहल

जीवाजी विवि में नकलचियों को पकड़ेंगे रिटायर्ड आईएएस-आईपीएस अफसर

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

ग्वालियर-चंबल अंचल लंबे समय तक परीक्षाओं में नकल की घटनाओं के लिए बदनाम रहा है। हालांकि स्कूली परीक्षाओं में लगातार सख्ती के कारण नकल पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया है, लेकिन विश्वविद्यालय स्तर की परीक्षाओं में अभी भी नकल के मामले सामने आते रहते हैं।

इस स्थिति से निपटने के लिए जीवाजी विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक अभिनव पहल शुरू करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय अब स्नातक परीक्षाओं के दौरान नकल रोकने के लिए सेवानिवृत्त आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की सेवाएं लेने जा रहा है। इन अधिकारियों को उड़नदस्तों में शामिल कर परीक्षा केंद्रों की निगरानी कराई जाएगी, जिससे नकल पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह नई व्यवस्था 26 मार्च से शुरू होने वाली स्नातक परीक्षाओं में लागू की जाएगी। इसके लिए ग्वालियर-चंबल अंचल में रहने वाले सेवानिवृत्त प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की सूची तैयार कर ली गई है। उनसे अनुमति लेने की प्रक्रिया भी जारी है। विश्वविद्यालय का मानना है कि प्रशासनिक अनुभव रखने वाले अधिकारियों की मौजूदगी से परीक्षा केंद्रों पर अनुशासन और पारदर्शिता बढ़ेगी।

चार सेवानिवृत्त अधिकारियों ने दी सहमति

अब तक चार सेवानिवृत्त आईएएस और आईपीएस अधिकारियों ने उड़नदस्ते में शामिल होने के लिए सहमति दे दी है। इसके अलावा करीब 10 अन्य सेवानिवृत्त प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के नाम भी सूची में शामिल किए गए हैं। आईएएस (सेवानिवृत्त) विनोद शर्मा का कहना है कि उड़नदस्तों में अनुभवी अधिकारियों की मौजूदगी एक सकारात्मक पहल है। इससे न केवल उड़नदस्तों को मजबूती मिलेगी, बल्कि परीक्षा केंद्रों पर सख्ती भी बढ़ेगी और नकल की घटनाओं पर अंकुश लगेगा।

मुरैना और भिंड में बढ़ेगी विशेष सख्ती- विश्वविद्यालय प्रशासन के इस फैसले के पीछे मुरैना और भिंड जिलों में पहले सामने आती रही नकल की घटनाओं को प्रमुख कारण माना जा रहा है। इन क्षेत्रों में उड़नदस्तों की विशेष निगरानी रखी जाएगी। माना जा रहा है कि स्थानीय स्तर पर जान-पहचान और मेलजोल के कारण कभी-कभी विश्वविद्यालय के अधिकारी अपेक्षित सख्ती नहीं कर पाते, जिससे नकल की घटनाएं सामने आती हैं। साथ ही सूचनाएं लीक होने का भी खतरा बना रहता है।

कुलसचिव और कुलगुरु ने बताया सकारात्मक कदम

जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा के अनुसार उड़नदस्ते में बदलाव का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है और कुलगुरु से अनुमति की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन और पुलिस के सेवानिवृत्त अधिकारियों की सहायता लेने से परीक्षा व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी। वहीं कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य ने भी इसे सकारात्मक पहल बताते हुए कहा कि इस प्रस्ताव को सहमति दी जाएगी और आगामी परीक्षाओं में इसे लागू किया जाएगा।

पौराणिक फिल्मों का अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव शुरू

भोपाल। उज्जैन में विक्रमोत्सव-2026 के अंतर्गत कालिदास अकादमी के अभिरंग सभागार में 13 से 17 मार्च तक इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ एंशिएंट स्प्लेंडर आयोजित किया जा रहा है। यह महोत्सव प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक आयोजित होगा। महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ एवं संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भारत सहित विश्व के विभिन्न देशों की सांस्कृतिक, पौराणिक और ऐतिहासिक विषयों पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा।

बोर्ड परीक्षा का पर्चा लीक कराने के नाम पर ठगी

शिकायत मिलने के बाद साइबर क्राइम ब्रांच ने राजगढ़ से गिरफ्तार किया आरोपी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल की साइबर क्राइम विंग 10-12वीं एमपी बोर्ड का पर्चा लीक करने के नाम पर छात्रों से ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। आरोपी टेलीग्राम एप के माध्यम से 500 से ? 1000 रुपए में पर्चा देने का वादा करते थे। ठगी की रकम ऑनलाइन फर्जी खातों में ट्रांसफर कराई जाती थी। फिलहाल गिरोह के एक आरोपी की राजगढ़ से गिरफ्तारी हो गई है। आरोपी की निशानदेही पर अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी टेलीग्राम एप पर एमपी बोर्ड पेपर लीक के नाम से ग्रुप बनाकर छात्रों को जोड़ता था। इस ग्रुप का यूजरनेम एमपीबोर्डपेपरलीक नाम से था। आरोपी छात्रों को यह भरोसा दिलाता था कि

उसके पास एमपी बोर्ड की वार्षिक परीक्षा के असली प्रश्नपत्र मौजूद है और पैसे देने पर उन्हें परीक्षा से पहले उपलब्ध करा दिए जाएंगे। जांच में सामने आया है कि आरोपी 10वीं और 12वीं के छात्रों से 500 से 1000 रुपये तक वसूलता था। पैसे मिलने के बाद वह छात्रों को प्राइवेट टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ने का लालच देता था। रकम फर्जी खातों में क्यूआर कोड के माध्यम से ट्रांसफर कराई जाती थी। हालांकि पैसे मिलने के बाद आरोपी छात्रों को असली पेपर देने के बजाय सैंपल पेपर भेजकर गुमराह कर देता था। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर क्राइम ब्रांच की टीम ने तकनीकी विश्लेषण कर आरोपी अरुण मालवीय (22) पिता घनश्याम मालवीय निवासी मालवीय मोहल्ला खुजनेर, राजगढ़ से गिरफ्तार कर लिया।

राज्य स्तरीय उपभोक्ता संरक्षण पुरस्कार घोषित

भोपाल । राज्य स्तरीय पुरस्कार चयन समिति की बैठक में उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों तथा विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तरीय उपभोक्ता संरक्षण पुरस्कारों के लिए किया गया है। वर्ष 2025 के लिए यह चयन उपभोक्ता संरक्षण और जनजागरूकता के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के आधार पर किया गया है। संस्थागत श्रेणी में अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन, कटनी को प्रथम पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। संस्था को 1,11,000 रुपए की पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इसी श्रेणी में म.प्र. प्राकृतिक चिकित्सालय तथा महाविद्यालय समिति, ग्वालियर को द्वितीय पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। संस्था को 51,000 रुपए की पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। उपभोक्ता जागरूकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित राज्य स्तरीय पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रभावी संदेश प्रस्तुत किए।

चुनाव की तैयारी के लिए बनाया जा रहा संगठन

कांग्रेस अब ग्राम पंचायतों के वार्ड स्तर पर भी बनाएगी समिति

भोपाल, दोपहर मेट्रो

संगठन सृजन अभियान से उत्साहित कांग्रेस अब ग्राम पंचायत में वार्ड स्तर पर संगठन खड़ा करने जा रही है। वार्डों में समितियां बनेंगी, जिनमें पांच से 10 लोग होंगे। इसमें लगभग 50 प्रतिशत भागीदारी युवाओं की रहेगी। इसी तरह से शहरों में वार्ड स्तर पर समिति बनाने के बाद मोहल्ला स्तर पर समिति बनेगी। इसके आगे प्रत्येक मोहल्ले में 30 घरों के बीच एक समन्वयक बनाने की योजना है। यह पूरी तैयारी वर्ष 2027 में स्थानीय निकाय, 2028 में विधानसभा और वर्ष 2029 में लोकसभा चुनावों की दृष्टि से की जा रही है।

समितियों में अध्यक्ष से लेकर सदस्य तक की नियुक्ति को विदिशा माडल की तरह सत्यापित किया जाएगा। समितियों के गठन में फर्जीवाड़ा न हो, इसके लिए सभी के फोन नंबर और फोटो लिए जाएंगे। इनके इंटरनेट मीडिया समूह बनेंगे।

बता दें कि अप्रैल 2024 में प्रारंभ हुए संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत पार्टी जिला, ब्लाक, मंडलम स्तर पर संगठन खड़ा कर चुकी है। हर स्तर पर संगठन में युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआइ, एससी, एसटी और ओबीसी के कार्यकर्ताओं को स्थान दिया गया है। ऐसी ही व्यवस्था पंचायत और वार्ड समितियों में की जा रही है।

मेट्रो एंकर — आइसर भोपाल के वैज्ञानिकों ने स्वदेशी तकनीक विकसित की

माइक्रो फैब्रिकेशन सेमीकंडक्टर मिशन को मिलेगी नई रफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारत को सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइसर) भोपाल के वैज्ञानिकों ने कम लागत और कम कार्बन उत्सर्जन वाली स्वदेशी माइक्रोफैब्रिकेशन तकनीक विकसित की है। यह तकनीक सेमीकंडक्टर चिप निर्माण की जटिल और महंगी प्रक्रिया को सरल और किफायती बनाने की क्षमता रखती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस नवाचार से भारत में सेमीकंडक्टर अनुसंधान और उत्पादन को नई गति मिल सकती है। साथ ही यह तकनीक बड़े उद्योगों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों और स्टार्टअप्स के लिए भी चिप निर्माण अनुसंधान को सुलभ बनाएगी।

आइसर भोपाल के विद्युत अभियांत्रिकी और कंप्यूटर विज्ञान विभाग के डॉ. शांतनु तालुकदार और उनकी टीम ने कई वर्षों के शोध के बाद यह स्वदेशी तकनीक विकसित की है। उनकी टीम में डॉ. स्वप्नेंदु घोष और देबजीत डे सरकार भी शामिल रहे।

वैज्ञानिकों ने माइक्रोफैब्रिकेशन प्रक्रिया में उपयोग होने वाले फोटोमास्क और हार्ड मास्क के निर्माण के लिए नई विधि विकसित की है। इस शोध का प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय जर्नल ÷माइक्रो एंड नैनो इंजीनियरिंग÷ में भी किया गया है, जिससे इसकी वैश्विक स्तर पर भी सराहना हो रही है। सेमीकंडक्टर चिप निर्माण में फोटोमास्क और हार्ड मास्क की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इनकी सहायता से नैनोमीटर से लेकर माइक्रोन स्तर तक के सूक्ष्म पैटर्न चिप के सब्सट्रेट पर स्थानांतरित किए जाते हैं।

क्रोमियम परत से बनाए जाते हैं सूक्ष्म पैटर्न

नई तकनीक में नैनोमीटर मोटाई की क्रोमियम धातु की परत का उपयोग किया जाता है। वैज्ञानिकों ने एक अत्यंत नुकीले धातु प्रोब की सहायता से इलेक्ट्रोकेमिकल ऑक्सीकरण अभिक्रिया को बेहद सीमित क्षेत्र में नियंत्रित करने की विधि विकसित की है। इस प्रक्रिया में क्रोमियम की सतह पर सीधे पैटर्न बनाए जाते हैं। वैज्ञानिक इसे इस तरह समझाते हैं जैसे कागज पर पेन से लिखकर आकृति बनाई जाती है।

पर्यावरण के लिए भी लाभकारी तकनीक

इस नई विधि की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें अतिरिक्त रेजिस्ट परत, महंगे लिथोग्राफी उपकरण या खतरनाक रसायनों की आवश्यकता नहीं पड़ती। इससे उत्पादन लागत में कमी आने के साथ-साथ कार्बन उत्सर्जन और पर्यावरणीय जोखिम भी कम हो जाते हैं। इसके अलावा यह तकनीक माइक्रोफैब्रिकेशन की दो प्रमुख प्रक्रियाओं—लिथोग्राफी और एचिंग—का एक साथ समाधान प्रस्तुत करती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह मौजूदा सेमीकंडक्टर निर्माण प्रणालियों के साथ भी आसानी से एकीकृत की जा सकती है।

कर्मचारी पेंशन पर पारदर्शिता नहीं

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की ओर देश भर के कर्मचारी उम्मीद भरी नजरों से देखते हैं। वे उम्मीद करते हैं कि वह उनके हित में फैसले करेगा। लेकिन हाल ही में पेंशन को लेकर जो निर्णय हुआ है, उससे चिंताएं बढ़ गई हैं। केंद्रीय न्यासी बोर्ड ने हाल ही में कर्मचारी पेंशन योजना 1995 की जगह पर ईपीएस 2026 को मंजूरी दी है। इस कदम से तकरीबन 5.4 करोड़ अंशदान करने वाले सदस्य और 82 लाख पेंशनभोगी प्रभावित होंगे। भले ही ईपीएस और कर्मचारी भविष्य निधि एवं कर्मचारी की जमा से जुड़ी बीमा योजनाओं को सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 - जिसे तीन अन्य संहिताओं के साथ नवंबर 2025 में अचानक अधिसूचित किया गया था - के पूरक के रूप में डिजाइन किया गया है, लेकिन सरकार या श्रम मंत्रालय ने अब तक नई योजनाओं के बारे में कोई संकेत नहीं दिया था। अधिकारियों ने हितधारकों से कोई मशविरा नहीं किया। बाकी सभी योजनाओं के मुकाबले, ईपीएस 1995 योजना पिछले एक दशक में सुप्रीम कोर्ट सहित विभिन्न अदालतों में चल रहे मुकदमों के चलते सुर्खियों में छाई रही है। पिछले 12 सालों के दौरान, इस योजना की कुछ खासियतों में बदलाव किए गए। इससे कर्मचारियों को नुकसान हुआ। मिसाल के तौर पर, इस पेंशन योजना के दायरे को मूल रूप से निर्धारित सार्वभौमिक कवरेज के बजाय हर महीने 15,000 रुपये तक कमाने वालों तक सीमित कर दिया गया। पेंशन योग्य तनख्वाह की गणना पिछले 12 महीनों के औसत तनख्वाह से बदलकर 60 महीनों के औसत तनख्वाह पर कर दी गई है। इससे पात्र पेंशन की राशि में काफी कमी आई है। उच्च पेंशन पर पेंशन पाने का अप्रतिबंधित विकल्प उन्हीं लोगों तक सीमित था जिन्होंने 1 सितंबर, 2014 को लागू हुई संशोधित योजना के एक साल के भीतर इस विकल्प का इस्तेमाल किया था। साल 2022 में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद, उच्च पेंशन के विकल्प को 2014 के बाद सेवानिवृत्त होने वालों के लिए एक विशेष मामले के रूप में विस्तारित किया गया। बदकिस्मती से, 2014 से पहले सेवानिवृत्त होने वाले लोग अधर में लटक गए क्योंकि भविष्य निधि (पीएफ) निकाय द्वारा निर्धारित अवास्तविक शर्तों के चलते उनमें से अधिकांश उच्च पेंशन के लिए अपात्र हो गए।

कानूनी मर्यादाएं और भावनाओं के सैलाब के साथ इच्छा मृत्यु का निर्णय

डॉ. रमेश ठाकुर
स्तंभकार

गाजियाबाद निवासी 32 वर्षीय हरीश राणा की इच्छा मृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय ऐसा भावनात्मक फैसला है जो भारतीय न्याय व्यवस्था के इतिहास में पहली बार लिया गया। कोर्ट के आदेशानुसार इच्छा मृत्यु पर सभी प्रक्रियाएं बेशक मानवीय ढंग और चिकित्सीय निगरानी में होंगी लेकिन फैसला देने वाली पीठ के जस्टिस जेबी परदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन खुद भी भावुक हो गए। उन्होंने स्वीकार किया कि ये निर्णय देना उनके लिए बहुत कठिन था लेकिन उन्हें अपने फैसले के जरिए एक व्यक्ति को उनके निष्क्रिय शरीर से होती अंतहीन पीड़ा से मुक्ति दिलवाना था जिसका उन्होंने कानूनी मर्यादयों में रहकर अपना फर्ज निभाया।

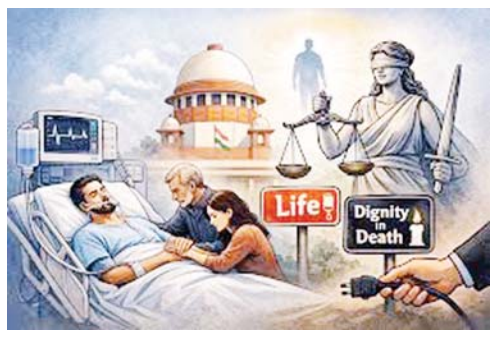

ये मामला अगस्त 2024 में दिल्ली हाई कोर्ट से खारिज होकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था लेकिन यहां भी जजों की एकमत राय नहीं थी। काफी विमर्श के बाद शीर्ष कोर्ट ने 'मेडिकल बोर्ड' गठित करने का आदेश दिया। बोर्ड की जब रिपोर्ट पहुंची, जिसमें चिकित्सकों ने बताया कि हरीश का शरीर शत-प्रतिशत निष्क्रिय हो चुका है इसलिए वह इच्छा मृत्यु का हकदार है। फिलहाल, इच्छा मृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय ने जीवन के असमय अंत की चाहत पर समकालीन स्वास्थ्य देखभाल में ऐसी प्रथाओं की भूमिका पर अनोखी बहस को छेड़ा है। यह बहस सभ्य समाज के कानूनी, नैतिक, मानवाधिकार, स्वास्थ्य, धार्मिक, आर्थिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जटिलताओं और गतिशील पहलुओं को भी सोचने पर विवश करेगी।

गौरतलब है कि इच्छा मृत्यु शब्द की उत्पत्ति ग्रीस में हुई थी, जिसका अर्थ होता है सुखद मृत्यु। कानून में जीवन का अधिकार' अनुच्छेद 21 में निहित है जो एक प्राकृतिक अधिकार भी। लेकिन आत्महत्या जीवन का अप्राकृतिक अंत है और इसलिए 'जीवन के अधिकार' की अवधारणा के साथ असंगत और विरोधाभासी है। भारत में आत्महत्या गैरकानूनी होने के बावजूद नहीं रूक रही। लेकिन इच्छा मृत्यु का नाम सुन कर न सिर्फ रोंगटे खड़े होते हैं बल्कि भावनाओं का समुद्र हिचकोले मारने लगता है। भारतीय सभ्यता सदैव से उदारवादी मानी गई है। इस लिहाज से कोई भी व्यक्ति किसी को मरने के लिए नहीं बोल सकता। लेकिन हरीश राणा का मामला इससे अलग है। बीते 13 वर्षों से उनके दर्द भरे जीवन को और लंबा नहीं खींचा जा रहा है। हरीश को दर्द भरे जीवन से मुक्ति दिलाने के अलावा दूसरा कोई चारा नहीं। शीर्ष अदालत ने हरीश के शरीर से जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति दे दी है, जिसे चिकित्सकीय निगरानी में उनकी आखिरी सांसों को प्राकृतिक बनाया जाएगा।

बेशक ये निर्णय पहला है पर यह आखिरी हो। इसके दुरुपयोग के जोखिम कम नहीं हैं। भारत में ऐसे असंख्य मामले हैं जहां बीमार बुजुर्गों के परिजन उनकी धन-दौलत, संपत्तियों पर कब्जा करने के लिए उनके मरने के इंतजार में हैं। ऐसे में वो भी उनकी इच्छा मृत्यु की चाह लेकर अदालतों तक पहुंचने लगेंगे। इस मसले में केंद्र सरकार को समग्र कानून या कोई व्यापक व्यवस्था बनानी होगा। हालांकि, ताजा फैसले को शीर्ष कोर्ट ने 2018 के कॉमन कॉज को कानूनी रूप से पैसिव यूथेनेशिया के तहत दिया है, जिसे बार-बार नहीं दोहराया जा सकता। हरीश का ये मामला दुर्लभ श्रेणी का है।

हरीश के साथ ये दुखद घटना अगस्त 2013 में रक्षाबंधन पर्व के दिन घटी थी। तब, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में वह सिविल इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष का छात्र था। अचानक हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर पड़ा। गिरने के बाद उसके ब्रेन में गहरी इंजरी हुई। तब से लेकर आज तक तमाम चिकित्सीय सुविधाएं दी गईं लेकिन सभी बेअसर साबित हुईं। पिछले साढ़े 13 सालों से वह अचैत अवस्था में बिस्तर पर है। सारे डॉक्टर हार गए, कोई दवा काम नहीं आई। हार कर माता-पिता घर उसे ले आए और लाइफ सपोर्ट सिस्टम के सहारे कर दिया।

इस दौरान माता-पिता की समूची जिंदगी आर्थिक और मानसिक रूप से बेटे के स्वस्थ होने की चाह में तबाह हो गई। झूठी आस में बेटे की सेवा करते रहे लेकिन उसकी भी सीमा होती है। आखिर कब तक वह बेटे को जिंदा रखते। माता-पिता शारीरिक रूप से भी जब कमजोर होने लगे तो उन्होंने हाईकोर्ट में इच्छा मृत्यु की गुहार लगाई, जो अब कहीं जाकर मंजूर हुई है। अदालत में लंबी जिरह हुई, कोर्ट द्वारा मंगाई गई 'एम्स अस्पताल' की रिपोर्ट जिससे साफ हुआ कि हरीश के ठीक किये जाने की कोई उम्मीद नहीं। तब, कोर्ट की पीठ ने भावुक होकर इच्छा मृत्यु पर कठोर निर्णय दिया।

दरअसल, ऐसा पड़ाव आ चुका था जिसे और लंबा नहीं खींचा जा सकता था। सुप्रीम कोर्ट ने पूरे सम्मानपूर्वक हरीश राणा को इच्छा मृत्यु की इजाजत देकर पूर्ण कार्य किया है। कोर्ट ने कहा है कि हरीश को अपार दुख में अब और नहीं रखा जा सकता। फिलहाल, एकाध दिनों में कोर्ट के आदेशानुसार हरीश के शरीर से जीवन रक्षक प्रणाली को हटाया जाएगा और पूरी मानवीय प्रक्रिया निभाकर उनके शरीर को मुक्ति दिलाई जाएगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

अमेरिका में भारतीयों पर हमलों की बढ़ती घटनाएं और लोकतांत्रिक छवि की सत्यता

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
पत्रकार

अमेरिका स्वयं को दुनिया का सबसे विकसित और सबसे बड़ा लोकतांत्रिक समाज बताता है। वह मानवाधिकार, समानता और बहुसांस्कृतिक समाज की बात भी करता है, विश्व में जहां भी अमेरिका अपनी सैन्य कार्रवाई करता है, वहां इस कार्रवाई किए जाने का कारण भी वहां के समाज पर हो रहे अत्याचार को ही अक्सर बताता है पर आज अमेरिका में ही पिछले एक दशक में भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ सामने आई हिंसक घटनाओं की लंबी श्रृंखला उसकी इस छवि पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

साल 2016 से 2026 के बीच अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ 41 बड़ी गंभीर घटनाएँ दर्ज की गई हैं। इनमें से 38 मामलों में भारतीय मूल के लोगों की मौत हुई है और 3 मामलों में लोग गंभीर हमलों से बच गए। इन घटनाओं में गोलीबारी, लूटपाट, अपहरण, संदिग्ध मौतें, सड़क दुर्घटनाएँ और नस्लीय घृणा से जुड़े हमले शामिल हैं। वस्तुतः हाल ही में 1 मार्च 2026 को टेक्सास के ऑस्टिन में हुई गोलीबारी में 21 वर्षीय भारतीय मूल की छात्रा सविता शान की मौत ने इस मुद्दे को फिर से वैश्विक चर्चा में ला दिया है। इस गोलीबारी में हमलावर ने अंधाधुंध फायरिंग की। इस तरह की यह घटना अकेली नहीं है, न ही ये एक अलग प्रकार का कोई प्रकरण है, बल्कि यह पिछले कई वर्षों से सामने आ रही घटनाओं की एक चिंताजनक श्रृंखला का हिस्सा है। सवाल यह है कि क्या यह केवल अपराध की घटनाएँ हैं या इसके पीछे समाज में पनप रही कोई गहरी मानसिकता भी काम कर रही है?

अमेरिकी में रहने का भारतीयों का सपना और बढ़ती मौतें: अमेरिका लंबे समय से भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा और करियर का सबसे बड़ा केंद्र रहा है। हर वर्ष हजारों भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए वहाँ जाते हैं, किंतु पिछले कुछ वर्षों में सामने आई घटनाएँ इस 'अमेरिकन ड्रीम' के पीछे छिपे खतरों को भी उजागर करती हैं। साल 2025 में टेक्सास में कार्तिक वेंकट साई बद्दिरेड्डी नामक छात्र की पेट्रोल पंप पर काम करते समय लूटपाट के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसी वर्ष वॉशिंगटन डीसी में कोय्यादा रवि तेजा को खाना डिलीवरी करते समय लुटेरों ने गोली मार दी। साल 2024 में जॉर्जिया में विवेक सैनी की निर्मम हत्या ने पूरे भारतीय समुदाय को झकझोर दिया। बताया गया कि वह एक बेघर व्यक्ति की मदद करता था लेकिन उसी व्यक्ति ने बाद में हथौड़े से हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसी वर्ष वरुण राज पुचा नामक छात्र को जिम में चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जिसे पुलिस ने संभावित हेट क्राइम माना। इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या अमेरिका में पढ़ने जाने वाले विदेशी छात्रों की सुरक्षा वास्तव में उतनी मजबूत है जितनी बताई जाती है? साल 2018 में शरथ कोप्पू नामक भारतीय छात्र की रेस्टोरेंट में लूटपाट के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। साल 2017 में विक्रम जरयाल को वॉशिंगटन में गैस स्टेशन पर काम करते समय गोली मार दी गई। साल 2023 में ओहायो में सैइश वीरा नामक युवक की गैस स्टेशन पर लूट के दौरान हत्या कर दी गई। वस्तुतः इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि सेवा क्षेत्र में काम करने वाले प्रवासी युवाओं को अक्सर असुरक्षित परिस्थितियों में काम करना पड़ता है, जहाँ अपराध की आशंका अधिक होती है।

नस्लीय घृणा का कड़वा सच: हालाकि सभी घटनाओं को सीधे नस्लीय घृणा से नहीं जोड़ा जा सकता पर कुछ मामलों में ऐसी मानसिकता साफ दिखाई देती है। साल 2017 में कंसास में इंजीनियर श्रीनिवास कुचिभोटला की हत्या ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक आक्रोश पैदा किया था। हमलावर ने गोली चलाने से पहले कथित रूप से कहा था, 'अपने देश वापस जाओ।' इसी तरह वॉशिंगटन में दीप राय नामक सिख व्यक्ति पर गोली चलाने वाले हमलावर ने भी विदेशी विरोधी टिप्पणी की थी। इन घटनाओं ने यह सवाल उठाया कि क्या अमेरिका के समाज में विदेशी मूल के लोगों के प्रति असहिष्णुता बढ़ रही है। कुछ घटनाएँ ऐसी भी हैं जिनमें मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए। 2024 में परुचुरी अभिजीत का शव जंगल में एक कार के अंदर मिला। इसी वर्ष समीर कामथ और नील आचार्य जैसे छात्रों की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई। इन घटनाओं में कुछ सड़क दुर्घटनाएँ भी शामिल हैं, लेकिन उनमें भी विवाद सामने आए। 2023 में सिएटल में भारतीय छात्रा जाह्नवी कंदुला की मौत एक पुलिस वाहन की टक्कर से हो गई। बाद में एक पुलिस अधिकारी की कथित हंसी से जुड़ा ऑडियो सामने आया, जिसने इस मामले को और विवादित बना दिया। 2019 में टेक्सास में दो भारतीय छात्राओं की हिट-एंड-रन दुर्घटना में मौत हो गई थी। रिपोर्ट में तीन ऐसे मामले भी दर्ज हैं जिनमें भारतीयों पर हमला हुआ लेकिन वे बच गए। 2025 में शिकागो में एक भारतीय छात्र को कार में बैठे-बैठे गोली मार दी गई। 2024 में एक अन्य छात्र पर चार हथियारबंद लुटेरों ने हमला किया। ये घटनाएँ दिखाती हैं कि खतरा केवल जान जाने तक सीमित नहीं है।

इस तरह से देखें तो अमेरिका में पिछले दस वर्षों में हुई इन 41 घटनाओं ने यह संकेत दिया है कि प्रवासी समुदायों की सुरक्षा को लेकर अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारतीय समुदाय ने हमेशा अपनी मेहनत, ज्ञान और प्रतिभा से दुनिया में पहचान बनाई है। ऐसे में यह उम्मीद की जाती है कि अमेरिका जैसे शक्तिशाली लोकतंत्र में उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण मिलेगा। यदि ऐसा नहीं होगा तो यही समझा जाएगा कि अमेरिका की लोकतांत्रिक छवि में सत्यता नहीं है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

लाइफ स्टाइल पैटर्न से जुड़ी है 8 घंटे की नींद के बाद भी रहने वाली थकान

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में कई लोग ऐसी समस्या का सामना कर रहे हैं कि 7-8 घंटे की नींद लेने के बावजूद शरीर में थकान बनी रहती है। खासकर युवा प्रोफेशनल्स में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। इसके पीछे सिर्फ नींद की कमी नहीं, बल्कि देर रात तक स्क्रीन का इस्तेमाल, लगातार तनाव, खराब दिनचर्या और शारीरिक गतिविधि की कमी भी जिम्मेदार हो सकती है। शरीर और दिमाग दोनों के संतुलन के लिए सिर्फ नींद का समय नहीं, बल्कि उसकी क्वालिटी भी महत्वपूर्ण होती है। देर रात तक मोबाइल, लैपटॉप या टीवी देखना, अनियमित सोने-जागने का समय, ज्यादा कैफीन लेना और लगातार मानसिक तनाव नींद की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकते हैं। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी शरीर के मेलाटोनिन हार्मोन को दबा देती है, जो नींद आने का संकेत देता है। इसके कारण नींद देर से आती है, बार-बार टूटती है और सुबह उठने पर भी थकान, सिर भारी लगना और सुस्ती महसूस हो सकती है।

तनाव का शरीर और पाचन तंत्र पर असर: लंबे समय तक रहने वाला तनाव शरीर के कई हिस्सों को प्रभावित कर सकता है। तनाव के दौरान शरीर में कॉर्टिसोल हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है, जिसका असर त्वचा, बाल और वजन पर दिखाई दे सकता है। इससे मुंहासे, स्किन ड्राई होना, बाल झड़ना या अचानक वजन बढ़ना-घटना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। तनाव का असर पाचन तंत्र पर भी पड़ता है। दिमाग और पेट के बीच सीधा संबंध होता है, जिसे 'गट-ब्रेन कनेक्शन' कहा जाता है। जब व्यक्ति अधिक तनाव में होता है, तो पेट में दर्द, गैस, ऐंठन, अपच या कभी-कभी लूज मोशन जैसी परेशानियां भी महसूस हो सकती हैं।

लाइफस्टाइल से जुड़ी थकान: लंबे समय तक मोबाइल पर झुककर देखने की आदत से 'टेक्स्ट नेक' की समस्या तेजी से बढ़ रही है। इसमें गर्दन, कंधों और ऊपरी पीठ में दर्द या जकड़न महसूस हो सकती है। लगातार नीचे झुककर फोन देखने से गर्दन की मांसपेशियों और रीढ़ की हड्डी पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे धीरे-धीरे शरीर का पोश्चर खराब हो सकता है और सिरदर्द या गर्दन दर्द की समस्या बढ़ सकती है। अच्छी सेहत और पर्याप्त ऊर्जा बनाए रखने के लिए रोजाना एक तय समय पर सोने और उठने की आदत डालें, ताकि शरीर का बॉडी क्लॉक संतुलित बना रहे। सोने से कम से कम एक घंटा पहले मोबाइल, लैपटॉप या टीवी का इस्तेमाल कम कर दें, क्योंकि स्क्रीन की ब्लू लाइट नींद को प्रभावित कर सकती है। रेगुलर एक्सरसाइज, हल्की वॉक या योग को दिनचर्या में शामिल करना फायदेमंद है। संतुलित आहार लेना, पर्याप्त पानी पीना और दिन में कुछ समय धूप में बिताना शरीर की ऊर्जा बनाए रखने में मदद करता है। तनाव कम करने के लिए ध्यान, योग, ब्रीदिंग एक्सरसाइज जैसी तकनीकों को अपनाया जा सकता है। समय तक बने रहें, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है, ताकि सही कारण का पता लगाकर समय पर उपचार किया जा सके।

सुविचार

अच्छे संस्कार और अच्छा व्यवहार आपकी वह कमाई है, जो जिंदगी भर आपके काम आती है।
-अज्ञात

निशाना

आंसुओं की मेरे जुबां नहीं..!

धर्मराज देशराज

जल रहा दिल मगर धुआँ भी नही
आँसुओं की मेरे जुबाँ भी नही
ज़ख्म के साथ दें वो मरहम भी
यार इतने तो महरबाँ भी नही
कम नही है कि दिल में रहता हूँ
और कोई तो आशियाँ भी नही
बाद मरने के याद कोई करे
मुझमे ऐसी तो खूबियाँ भी नही
शेर दो- चार तो हैं मेरे भी
मैं ज़माने में बे-निशां भी नही
इस चमन में रहूँ भला कैसे
फूल तो फूल तितलियाँ भी नही
आंसुओं से बनी लकीरो में
क्या 'धरम' मेरी दास्ताँ भी नहीं।

यूटिलिटी गैजेट

एलपीजी या बिजली की जरूरत नहीं, धूप वाला चूल्हा बदल सकता है आपकी रसोई

एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत की खबरों के बीच इंडक्शन चूल्हे भी कई ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से आउट ऑफ स्टॉक जा चुके हैं। ऐसे में धूप वाले चूल्हे यानी कि सोलर कुकर ऐसा गैजेट है जो गैस की किल्लत और बिजली के भारी बिल से आपको हमेशा के लिए आजादी दिला सकता है। इसका इस्तेमाल उन इलाकों में बखूबी किया जा सकता है, जहां गर्मी अच्छी पड़ती है।

सोलर कुकर विज्ञान और टेक्नोलॉजी का जबरदस्त मिक्सचर है। इस चूल्हे में चमकदार शीशा या रिफ्लेक्टर लगा होता है, जो कि सूरज की रौशनी को एक बिंदू पर फोकस करता है। यह अच्छी तरह से गर्म हो, इसके लिए चूल्हे के अंदर का हिस्सा पूरी तरह काला होता है। इसके ऊपर लगा कांच का ढक्कन 'ग्रीन हाउस इफेक्ट' पैदा करता है, यानी यह धूप की गर्मी को अंदर ही कैद कर लेता है और बाहर नहीं जाने देता। धूप वाले चूल्हे का तापमान 150°C से भी ज्यादा हो सकता है, जो दाल, चावल और सब्जियां पकाने के लिए काफी है।

क्या है कीमत और कहां से खरीदें?: अगर आप धूप वाला चूल्हा खरीदने का मन बना रहे हैं लेकिन जानना चाहते हैं कि इसकी कीमत क्या होती है और इसे कहां से खरीदा जा सकता है, तो बता दें कि बाजार में इसके दो ऑप्शन मिलते हैं। पहला सोलर कुकर एक बॉक्स के प्रकार का होता है, जो छोटे परिवार के लिए बेस्ट है और इसकी कीमत 2,500 से 4,500 रुपये के बीच होती है। दूसरी तरह के सोलर कुकर को पैराबोलिक कुकर कहते हैं। जो काफी ज्यादा और तेजी से गर्म होता है और 5,000 से 8,000 रुपये में खरीदा जा सकता है। आप इसे Amazon या Flipkart जैसी साइट्स से ऑनलाइन मंगा सकते हैं। इसके अलावा, केंद्र सरकार की अक्षय ऊर्जा योजनाओं के तहत सरकारी केंद्रों से सब्सिडी पर इसे काफी कम कीमत में भी खरीदा जा सकता है। इसके लिए आपको अपने नजदीकी जिला अक्षय ऊर्जा कार्यालय से संपर्क करना चाहिए।

सोलर चूल्हे की खूबियां: सोलर चूल्हे की तकनीक न केवल बचत के लिहाज से बेहतरीन है, बल्कि यह आपकी सेहत और सुरक्षा के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है। सोलर कुकर में खाना धीरे-धीरे पकता है, इससे खाने के जरूरी विटामिन और मिनरल्स नष्ट नहीं होते। धूप वाले चूल्हे की बनावट बहुत सरल होती है। इसमें किसी तरह का एडवांस पुर्जा नहीं लगा होता है। ऐसे में यह सालों-साल बिना किसी खराबी के चलता है। आपको ज्यादा से ज्यादा से बस इसके शीशे और अंदरूनी हिस्सों को साफ रखना होता है।

इस्तेमाल का तरीका : सोलर चूल्हे को इस्तेमाल करने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। इसे ऐसी जगह रखकर इस्तेमाल करना चाहिए, जहां कम से कम 3 से 4 घंटे की सीधी और तेज धूप आती हो जैसे कि आपकी छत या बालकनी। खाना पकाने के लिए हमेशा काले रंग के बर्तनों का इस्तेमाल करें, क्योंकि काला रंग गर्मी को सबसे तेजी से खींचता है।

अजब - गजब

खुली रह गई घर की खिड़की, तीन साल बाद लौटे तो पूरे घर पर हो गया कबूतरों का राज

कभी-कभी छोटी सी लापरवाही भी बड़ी समस्या बन सकती है रूस के एक शख्स के साथ कुछ ऐसा ही हुआ, जिसकी कहानी इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। जब वह करीब तीन साल बाद अपने फ्लैट में लौटा, तो वहां का नजारा देखकर उसके होश उड़ गए। उसका घर पूरी तरह कबूतरों का ठिकाना बन चुका था। रूस के खनन शहर वोरकुटा (Vorkuta) से सामने आई। इस घटना का वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो में एक घर के अंदर दर्जनों कबूतर आराम से बैठे दिख रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फ्लैट का मालिक करीब तीन साल पहले काम के सिलसिले में साइबेरिया चला गया था। जल्दबाजी में वह अपने अपार्टमेंट की एक खिड़की बंद करना भूल गया। बस यही छोटी सी गलती कबूतरों के लिए मौका बन गई। धीरे-धीरे आसपास के कबूतर उस खिड़की से अंदर आने लगे और कुछ ही समय में पूरा फ्लैट उनका ठिकाना बन गया। जब तीन साल बाद मालिक वापस लौटा, तो घर का नजारा बिल्कुल बदल चुका था। फर्श पर जगह-जगह कबूतरों की बीट, पंख और घोंसले दिखाई दे रहे थे। फर्नीचर पर भी कबूतर नजर आ रहे थे, जैसे वे वहां लंबे समय से रह रहे हों।

घर की हालत देखकर मालिक भी हैरान रह गया। उसने मजाकिया अंदाज में कहा कि उसका फ्लैट तो अब 'कबूतरों का दुबई' बन चुका है। उसने बताया कि हर तरफ घोंसले, पंख और गंदगी फैली हुई है। इस पूरे दृश्य का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। लोग इस घटना पर तरह-तरह के मजेदार कमेंट कर रहे हैं।

घर की मरम्मत में लगेंगे लाखों: लोग इस घटना को मजाकिया नजर से देख रहे हैं, लेकिन घर के मालिक के लिए यह बड़ी परेशानी बन गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि पूरे फ्लैट की सफाई, मरम्मत और फर्नीचर बदलने में लाखों का खर्च आ सकता है। दिलचस्प बात यह है कि यह रकम लगभग उतनी ही है जितनी उस फ्लैट की मौजूदा बाजार कीमत बताई जा रही है। एक और चिंता की बात यह है कि कबूतर कई तरह की बीमारियां फैला सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, कबूतरों से बर्ड फ्लू और सिटाकोसिस जैसी बीमारियां फैलने का खतरा रहता है। इसलिए घर को रहने लायक बनाने के लिए सिर्फ सफाई ही नहीं, बल्कि फर्श और दीवारों को खास केमिकल से भी साफ करना होगा ताकि किसी तरह का संक्रमण बाकी न रह जाए।

घटना के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कई मजेदार टिप्पणियां भी कीं। किसी ने मजाक में लिखा कि इतने खर्च से अच्छा तो नया घर खरीद लेना चाहिए। वहीं एक अन्य यूजर ने हंसते हुए कहा कि कम से कम कबूतरों ने घर में अंडे तो छोड़ दिए, जिससे मालिक को नाश्ता मिल सकता है।

न्यूज विंडो

तरुण हत्याकांड के आरोपियों का एनकाउंटर करने की मांग की

मंडीदीप। दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दिन हुई हृदय विदारक घटना में 26 वर्षीय युवक तरुण खटीक की निर्मम हत्या ने पूरे देश में आक्रोश पैदा कर दिया है। मंडीदीप के संकल्प हिंदू समाज ने शुक्रवार शाम इस हत्याकांड के विरोध में एक विशाल कैंडल मार्च का आयोजन किया है। मार्च दुर्गा चौक, शनिवार बाजार से शुरू होकर मंगल बाजार गेट पहुंचा। यहां श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हत्यारों के एनकाउंटर की मांग की गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 33 छात्राओं ने लगवाई एचपीवी वैक्सीन

सिवनी. एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान को लेकर छपारा विकासखंड के गोरखपुर स्थित कस्तूरबा गांधी की अधीक्षक अंजना शर्मा और हाई स्कूल के प्राचार्य गोविंद उइके ने जागरुकता का परिचय दिया। कस्तूरबा गांधी छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही 33 छात्राओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छपारा लाकर उन्हें एचपीवी का टीका लगवाया। बीएमओ डॉक्टर तामसिंह इनवाती ने बताया कि केंद्र सरकार के द्वारा सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए 14 से अधिक एवं 15 वर्ष से कम उम्र की बालिकाओं को निशुल्क टीका लगाया जा रहा है।

मां ने हाथों से समेटे बच्ची के टुकड़े परिवार ने सड़क से धोया खून

मंडला। जिले में एक हृदयविदारक घटना हुई। यहां एक तेज रफ्तार डंपर ने एक ढाई साल की बच्ची को कुचल दिया। हादसा इतना भयंकर था कि मासूम बच्ची की डेडबॉडी सड़क पर चिपक गई। बच्ची के खून के छींटे सड़क किनारे बने स्कूल की दीवार पर पड़े हैं। मां व परिजन ने बच्ची के सड़क पर चिपके शव के टुकड़ों को हाथों से समेटकर पॉलीथिन में डाला। मासूम को कुचलने के बाद डंपर चालक डंपर लेकर मौके से भाग गया था जिसे पीछा कर करीब 7 किमी दूरी पर लोगों ने पकड़ा। मंडला के कोतवाली थाना क्षेत्र के बम्होरी गांव में शुक्रवार को आंगनबाड़ी सहायिका श्रेष्टि यादव बच्चों को आंगनबाड़ी में छोड़कर घर लौट रही थी। उसकी गोद में एक बच्चा था और ढाई साल की मासूम आकृति यादव उसका हाथ पकड़कर पैदल चल रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार से आए डंपर ने बच्ची आकृति को कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना वीभत्स था कि बच्ची का शव सड़क पर चिपक गया, उसके खून के छींटे सड़क किनारे बने स्कूल की दीवार पर पड़े। हादसे का पता चलते ही आकृति के परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंचे और चक्काजाम कर दिया। घटना के बाद के कुछ वीडियो सामने आए हैं जिनमें सड़क किनारे बच्ची का शव रखा दिख रहा है और सड़क पर चिपके बच्ची के शव को उसकी मां व परिजन रोते-बिलखते हुए हाथों से उठाकर पॉलीथिन में डालते दिख रहे हैं। सड़क पर बिखरे खून को परिजन पानी से धोते भी वीडियो में दिख रहे हैं।

कंपनी प्रबंधन ने पीड़ित के खिलाफ शाम को दिया शिकायती आवेदन, बंधक बनाकर रखने की बात छुपाई

बद्री कंपनी मालिक की गुंडागर्दी... असिस्टेंट मैनेजर से मारपीट कर बनाया था बंधक

अजय आहूजा। मंडीदीप

औद्योगिक क्षेत्र में स्थित बद्री काटसिन कंपनी में मालिक द्वारा एक कर्मचारी के साथ कथित तौर पर मारपीट और बंधक बनाने का मामला सामने आया है। पीड़ित कर्मचारी सौरभ सिंह वर्मा, जो कंपनी में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं, ने आरोप लगाया है कि कंपनी के मालिक सुमित गुप्ता ने 12 मार्च को उन्हें बेरहमी से पीटा और कंपनी के गार्डों से भी पिटवाया।

सौरभ के अनुसार, कंपनी का आरोप है कि उन्होंने बिना मालिक को सूचित किए कंपनी के स्क्रैप को गुजरात की किसी पार्टी को बेचने की बातचीत की थी। सौरभ का कहना है कि यह कंपनी का ही आधिकारिक काम था और इसकी जानकारी उन्होंने कंपनी के अन्य अधिकारियों को पहले ही दे दी थी। इसके बावजूद मालिक सुमित गुप्ता ने 12 मार्च को उन्हें केबिन में बुलाकर जमकर मारपीट की। मारपीट के बाद गार्डों को बुलाकर डंडों से पिटवाया गया। इसके बाद उन्हें कंपनी के सिक्योरिटी रूम में ले जाकर बंधक बना लिया गया और घर जाने नहीं दिया गया।

112 पर कॉल फेल, परिचित की मदद से छुड़वाया

पीड़ित ने वाशरूम के बहाने सबसे पहले 112 पर मदद मांगी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। देर रात अपने परिचित विक्रम सिंह को फोन कर पूरी घटना की जानकारी दी। विक्रम सिंह ने तुरंत मंडीदीप पुलिस थाने में सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सौरभ को कंपनी से सुरक्षित बाहर निकालकर थाने ले आई।

पुलिस जांच में जुटी: मंडीदीप पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए हैं और कंपनी के सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। हालांकि कम्पनी मालिक सुमित गुप्ता को पुलिस ने कई बार थाने बुलाया, लेकिन शहर से बाहर होने की बात कहकर उन्होंने थाने आने से इंकार कर दिया। थाना प्रभारी रंजीत सराठे ने बताया कि मामला अभी जांच के दौर में है। जांच पूरी होने के बाद ही उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। देर शाम तक पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक एफआईआर या गिरफ्तारी की जानकारी नहीं दी गई है।

मेरे साथ हुई घटना के बाद से मेरा परिवार बुरी तरह से सदमे में है, मै चाहता हूं जिन्होंने मेरे साथ गलत व्यवहार किया है। उसके खिलाफ उचित कार्रवाई हो।

-सौरभ सिंह, पीड़ित

मुझे कम्पनी प्रबंधन ने सौरभ को सिक्योरिटी रूम में बिठाने के साथ पुलिस थाने में आवेदन देने की बात कही थी, इससे ज्यादा मुझे कोई जानकारी नहीं।

-वाय के दुबे, बद्री कोटसिन कम्पनी प्रबंधन

बद्री कम्पनी के मामले में दोनों पक्ष के वयान दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है, जो दोषी होगा उसके खिलाफ उचित कार्यवाही की जायेगी।

-शीला सुराणा, एसडीओपी

भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान में किसानों के लिए विशेष प्रशिक्षण

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान भोपाल में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक विष्णु खत्री और संस्थान प्रबंधन समिति सदस्य नीतिराज सिंह पटेल का संस्थान निदेशक मनोरंजन मोहंती ने शाल-श्रीफल और पौधा भेंट कर स्वागत किया।इस दौरान गुवाहाटी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त जारी करने का सीधा प्रसारण किया गया। पीएम मोदी ने सिंगल क्लिक से 9.32 करोड़ किसानों के खातों में 18,640 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए।किसानों को वैज्ञानिक खेती, प्राकृतिक कृषि, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, संतुलित उर्वरक उपयोग और आधुनिक कृषि तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। अतिथियों ने संबोधन में कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान, प्राकृतिक खेती और आधुनिक तकनीकों के समन्वय से कृषि को टिकाऊ व लाभकारी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में किसानों ने वैज्ञानिकों से खेती की समस्याओं पर चर्चा की।इस अवसर पर नीतिराज सिंह पटेल और उन्नत कृषक नरेंद्र पटेल ने अखिल भारतीय प्राकृतिक कृषि नेटवर्क के तहत विभिन्न कृषि-पारिस्थितिकी प्रणालियों का अवलोकन किया।

1 अप्रैल से शुरू होगा गेहूं उपार्जन

नर्मदापुरम। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं खरीदी 1 अप्रैल से नर्मदापुरम जिले में शुरू हो जाएगी। इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभागों में यह प्रक्रिया 1 अप्रैल से चलेगी, जबकि बाकी संभागों में 7 अप्रैल से। जिले के उपार्जन केंद्रों पर सोमवार से शुक्रवार सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक (सरकारी अवकाश को छोड़कर) गेहूं खरीदा जाएगा। कलेक्टर सोनिया मीना ने खंड स्तरीय समितियों को शासन की नीति के अनुसार सुचारू प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

व्यापारियों का रोजगार प्रभावित... गैस सिलेंडर की किल्लत पर भड़की युवा कांग्रेस, सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शहर में गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर युवा कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष अमित सिंह के नेतृत्व में जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर समस्या के त्वरित समाधान की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि क्षेत्र में कॉमर्शियल एवं घरेलू गैस सिलेंडरों की कमी के कारण आम नागरिकों के साथ-साथ छोटे व्यापारियों को भी गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। युवा कांग्रेस ने बताया कि होटल संचालकों तथा चाट-पकौड़ी और फास्ट फूड के ठेला संचालकों को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं, जिससे उनका रोजमर्रा का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। स्थिति यह है कि कई छोटे व्यापारियों के सामने अपने परिवार के भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है।

संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि घरेलू गैस सिलेंडर के लिए उपभोक्ताओ को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे आम जनता में नाराजगी बढ़ रही है। युवा कांग्रेस ने प्रशासन से मांग की है कि गैस वितरण व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए तथा गैस एजेंसियों को छोटे व्यापारियों के लिए पर्याप्त संख्या में कॉमर्शियल सिलेंडर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएं। साथ ही घरेलू गैस की वेटिंग अवधि कम करने और वितरण प्रणाली की सख्त निगरानी सुनिश्चित करने की भी मांग की गई। युवा कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो संगठन व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान संतोष शर्मा, विकास शर्मा, पंकज एलिया, रवि तिवारी, कल्याण सिंह नागौरी, राजकुमार सेन, बाबू पिंगले, राहुल ठाकुर, अनिल पाठक, मनी अहिरवार, मंजू कुशवाह, जगदीश सुहाने, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पार्थ रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर | **चिकित्सा विभाग ने की कार्रवाई**

प्रदेश के पूर्व सीएमएचओ के नाम से राजस्थान में चल रहे फर्जी हॉस्पिटल को किया सील

रतलाम। दोपहर मेट्रो

रतलाम के पूर्व सीएमएचओ के दस्तावेजों के नाम पर फर्जीवाड़ा कर राजस्थान के झालावाड़ जिले के चौमहला कस्बे में हॉस्पिटल संचालित किए जाने का मामला सामने आया है। जब इस बात का पता पूर्व सीएमएचओ को चला तो उन्होंने शिकायत दर्ज कराई और शिकायत मिलने के बाद शुक्रवार को चिकित्सा विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अस्पताल को सील कर दिया। कार्रवाई की भनक लगते ही अस्पताल का संचालक और नर्सिंगकर्मी फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार रतलाम के पूर्व जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एसआर चौहान ने झालावाड़ जिला स्वास्थ्य विभाग को शिकायत दी थी कि उनके नाम का दुरुपयोग कर चौमहला में मां पीतांबरा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के नाम से अस्पताल चलाया जा रहा है। पूर्व सीएमएचओ एसआर चौहान के मुताबिक उनका इस हॉस्पिटल से कोई संबंध नहीं है। इस शिकायत के आधार पर सीएमएचओ डॉ. साजिद खान के निर्देश पर डग ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजकुमार वाघेला के नेतृत्व में गठित टीम शुक्रवार को चौमहला स्थित अस्पताल पर पहुंची तो अस्पताल प्रबंधक मौके से फरार हो गया। मौजूद नर्सिंगकर्मी भी भाग निकले। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा विभाग की टीम को अस्पताल चलाने के लिए आवश्यक दस्तावेज नहीं मिले। साथ ही नियमानुसार लैब, मेडिकल सुविधाएं और योग्य चिकित्साकर्मी भी उपलब्ध नहीं पाए गए।

अस्पताल सील, संचालक फरार

बताया जा रहा है कि अस्पताल का संचालन डॉ. कुलदीप और डॉ. मुल्तानी द्वारा किया जा रहा था, जो कार्रवाई के दौरान मौके से गायब थे। निरीक्षण टीम ने अस्पताल को सील कर दिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के दौरान गंगधार तहसीलदार और पुलिस टीम भी मौके पर मौजूद रहा। टीम द्वारा तैयार की गई निरीक्षण रिपोर्ट सीएमएचओ झालावाड़ को भेजी जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की होगी। झालावाड़ सीएमएचओ साजिद खान ने बताया कि हमें शिकायत मिली थी उसके बाद यह कार्रवाही की गई। शिकायतकर्ता डॉ रतलाम के पूर्व सीएमएचओ है। उनके दस्तावेज आरोपित लोगों के पास कैसे पहुंचे यह जांच का विषय है।

अपेक्स बैंक
म. प्र. राज्य सहकारी बैंक मर्या.
अपेक्स बैंक
सशक्त सहकारिता: समृद्ध मध्यप्रदेश

समृद्धि आपकी, योजनाएं हमारी

- वाहन ऋण
- आवास ऋण
- व्यक्तिगत ऋण
- परियोजना ऋण
- भ्रमण ऋण
- उच्च शिक्षा ऋण
- त्यौहार ऋण
- चिकित्सा ऋण
- उपभोक्ता ऋण
- व्यापारियों को साख-सीमा
- अचल सम्पत्ति के बंधक पर ऋण

क्यों देखें महज सपने, आइये करें उन्हें साकार
आकर्षक ब्याज दरों पर ऋण योजनाओं का लाभ उठायें

आवास ऋण
ऋण राशि - 75 लाख
समयावधि - 15 वर्ष ★★
ब्याज दर - मात्र 8.00%

अचल सम्पत्ति के बंधक पर ऋण
ऋण राशि - 40 लाख समयावधि - 15 वर्ष ★
ब्याज दर - मात्र 8.00%

पर्सनल ऋण
ऋण राशि - 10 लाख समयावधि - 5 वर्ष
ब्याज दर - मात्र 9.00% ★★

वाहन ऋण
ऋण राशि - 10 लाख समयावधि - 7 वर्ष
ब्याज दर - मात्र 8.50% ★

★ CIBIL SCORE 700 या उसे अधिक एवं NTC SCORE 150 या उससे अधिक होने पर
★★ केन्द्र शासन / राज्य शासन, शासकीय निगम, मण्डल, बोर्ड, समस्त सहकारी बैंकों / संस्थाओं एवं राष्ट्रीयकृत बैंकों के नियमित कर्मचारियों का उपरोक्त SCORE होने पर।

अपेक्स बैंक द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को सावधि जमा पर 1% अधिक ब्याज

हमारी अन्य बैंकिंग सेवायें
मोबाईल बैंकिंग, आरटीजीएस, एटीएम
रियायती दरों पर लॉकर्स सुविधा
अपेक्स बैंक की समस्त शाखाओं में आपका हार्दिक स्वागत है

सहकार से समृद्धि

स्वर्णिम मध्यप्रदेश की पहचान समृद्ध किसान
0% ब्याज दर पर
प्रदेश के कृषकों को राशि रू. 3.00 लाख तक प्राथमिक सहकारी संस्थाओं (पैक्स) के माध्यम से फसल ऋण प्रदाय
किसान क्रेडिट कार्ड वितरण में सहकारी बैंक प्रदेश में नं. 1
कृषकों को कृषि कार्य हेतु नगद एवं खाद बीज हेतु प्रदेश के 40 लाख किसानों को क्रेडिट कार्ड वितरण
जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों की समस्त शाखाओं में आपका स्वागत है

न्यूज विंडो

घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग के खिलाफ की कार्रवाई

बालाघाट। बालाघाट में प्रशासन और खाद्य विभाग की टीम ने घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग के खिलाफ नकेल कसना शुरू कर दी है। इसी कड़ी में बालाघाट कलेक्टर के निर्देश पर वारासिवनी क्षेत्र के विभिन्न प्रतिष्ठानों पर चलाए गए जांच अभियान के दौरान 13 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त कर प्रकरण दर्ज किए गए हैं। खाद्य विभाग की टीम ने वारासिवनी स्थित आनंद भोजनालय, दीनबंधु भोजनालय सहित कॉलेज चौक और तहसील के पास स्थित नई चौपाटी पर छापेमारी की। इन स्थानों पर व्यावसायिक गतिविधियों के लिए घरेलू सिलेंडरों का उपयोग किया जा रहा था।

डिंडौरी में सफाई कर्मियों ने वेतन के लिए दिया धरना, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

डिंडौरी। जिले में नगर पालिका के सफाईकर्मी वेतन न मिलने से परेशान होकर कांग्रेस पार्षद के साथ धरने पर बैठ गए हैं। सफाई कर्मियों की मांग और प्रदर्शन के बाद नपा अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि वेतन का भुगतान आज ही बैंक में जमा करवा देंगे। सफाईकर्मी मनोज बक्शी ने बताया कि उन्हें होली के त्यौहार पर भी वेतन नहीं मिला था। 2 मार्च को सभी सफाईकर्मियों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में कलेक्टर से मिलकर ज्ञापन सौंपा था। कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को 6 मार्च तक भुगतान करने के निर्देश दिए थे, लेकिन आज तक भुगतान नहीं हुआ। जिससे आर्थिक तंगी के चलते कई तरह की घरेलू परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

लोक शिक्षण संचालनालय के खिलाफ नारेबाजी कर सौंपा ज्ञापन

कटनी। जिले के शासकीय शिक्षा संगठन के बैनर तले सैकड़ों शिक्षकों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदेश सरकार और लोक शिक्षण संचालनालय के खिलाफ नारेबाजी की। शिक्षकों ने मुख्यमंत्री के नाम डिप्टी कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें टीईटी परीक्षा आयोजित करने के हालिया आदेश को शिक्षक विरोधी बताते हुए उसे तत्काल वापस लेने की मांग की गई है। इस अवसर पर प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने आदेश को लेकर कई तरह के सवाल उठाए और इसे तत्काल निरस्त करने की गुहार लगाई।

नगर में बिगड़ रही यातायात व्यवस्था, पुलिस का नहीं ध्यान

ई-रिक्शा में कहीं क्षमता से अधिक सवारी तो कहीं नाबालिग दौड़ा रहे

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर एवं क्षेत्र में ई-रिक्शा की बढ़ती संख्या अब यातायात व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। बिना ठोस नियम और प्रभावी निगरानी के कारण कई ई-रिक्शा चालक मनमानी पर उतर आए हैं। नतीजतन नगर के प्रमुख चौक-चौराहों पर लगातार जाम की स्थिति बन रही है और आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर नगर और आसपास के क्षेत्रों में हालात सबसे अधिक खराब हैं।

ई-रिक्शा को सस्ती और सुविधाजनक परिवहन सेवा के रूप में शुरू किया गया था, लेकिन अब यही व्यवस्था शहर की ट्रैफिक समस्या का एक बड़ा कारण बनती जा रही है। कई चालक नियमों को ताक पर रखकर ई-रिक्शा चला रहे हैं। कहीं वाहन में क्षमता से अधिक सवारी बैठाई जा रही है, तो कहीं नाबालिग चालक बेधड़क सड़कों पर ई-रिक्शा दौड़ाते नजर आ रहे हैं। इससे दुर्घटनाओं की आशंका भी लगातार बढ़ रही है।

नगर के कई प्रमुख चौराहों और बाजार क्षेत्रों में ई-रिक्शा चालक सवारियों के इंतजार में अपने वाहन सड़क के बीच या किनारे कहीं भी खड़े कर देते हैं। इससे सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है और थोड़ी ही देर में वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। खासकर व्यस्त समय में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब स्कूल, कार्यालय और बाजार जाने वाले लोगों को घंटों जाम में फंसना पड़ता है। पुलिस विभाग ने नगर के कई प्रमुख चौराहों पर लगने वाले हाथ ठेलों को हटाया है , ताकि यातायात सुचारू रूप से चल सके। लेकिन ई-रिक्शा चालकों की अनियंत्रित गतिविधियों के कारण इन प्रयासों का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। वाहन चालक भी ई-रिक्शा की इस मनमानी से परेशान हैं। कई बार अचानक रुकने या गलत दिशा से आने के कारण दुर्घटना की स्थिति बन जाती है। स्थानीय लोगों अजय तिवारी माखन सिंह का कहना है कि यदि प्रशासन समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं देता, तो आने वाले समय में नगर की यातायात व्यवस्था और अधिक चरमरा सकती है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि ई-रिक्शा संचालन के लिए स्पष्ट नियम बनाए जाएं, नाबालिग चालकों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए और निर्धारित स्थानों पर ही ई-रिक्शा खड़े करने की व्यवस्था लागू की जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ई-रिक्शा संचालन को व्यवस्थित किया जाए और नियमित जांच अभियान चलाया जाए, तो नग में जाम की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। फिलहाल जरूरत इस बात की है कि पुलिस विभाग और प्रशासन मिलकर इस समस्या का स्थायी समाधान निकालें, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके।

प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

दयोदय पशु सेवा केंद्र के संजय बने अध्यक्ष, दूसरे प्रत्याशी ने किया चुनाव का बहिष्कार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में स्थित आचार्य श्री विघासागर दयोदय पशु सेवा केंद्र में गौशाला अध्यक्ष के लिए चुनाव संपंन हुआ। इस चुनाव में दो प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। जिसमें संजय जैन पारसमणि विजय घोषित हुए। सुबह 9 बजे से प्रारंभ हुए चुनाव में कुल 92 सदस्यों के द्वारा मताधिकार का प्रयोग किया जाना था दोपहर तीन बजे तक 63 मतदाताओं ने अपने मताधिकार प्रयोग किए। दोपहर 3.30 बजे चुनाव परिणाम घोषित किए गए जिसमें विजय जैन उर्फ पप्पू को 4 मत एवं संजय जैन को 58 मत प्राप्त हुए। 1 मत रिजेक्ट हो गया। अध्यक्ष के चुनाव के फार्म पूर्व में ही भरे गए थे। सुबह जैसे ही चुनाव प्रारंभ हुए विजय जैन अपने समर्थकों के साथ गौशाला पहुंचे और चुनाव का बहिष्कार किया साथ ही एसडीएम के नाम ज्ञापन नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी को सौंपा हैं। जिसमें बताया गया हैं कि चुनाव नियम विरूद्ध हैं इसमें नियमों का पालन नहीं किया गया हैं। इसलिए इस चुनाव का बहिष्कार करते हैं। ज्ञात हो कि 13 फरवरी को गौशाला अध्यक्ष के चुनाव होना था लेकिन जैन महापंचायत के अध्यक्ष भागचंद जैन द्वारा जिला कलेक्टर के समक्ष आवेदन देकर आपर्ति दर्ज कराई गई थी। जिसके बाद कलेक्टर ने संपूर्ण जांच एसडीएम को सौंपी थी एसडीएम के द्वारा चुनाव स्थगित कर दिया था साथ ही संपूर्ण मामले की जांच के बाद समस्त तथ्यों एवं नियमों के परीक्षण के आधार पर जैन महापंचायत अध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत आपर्तियों को अस्वीकार करते हुए निर्वाचन प्रकिया का अस्थाई स्थगन से रोक हटा दी गई। जिसके बाद गौशाला के चुनाव 13 मार्च को संपंन हुए। चुनाव निर्वाचन अधिकारी सत्यम जैन ने बताया कि दोनों प्रत्याशियों को 13 मार्च को चुनाव कराने संबधी सूचना भेजी गई थी।

तारादेही में भक्तों ने निकाली श्री आदिनाथ जयंती पर शोभायात्रा

तारादेही। दोपहर मेट्रो

ब्लॉक के ग्राम तारादेही में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव भगवान आदिनाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव देश दुनिया के साथ तेन्दूखेड़ा ब्लॉक के ग्राम तारादेही में भी भक्तिमय उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर तारादेही के जैन मंदिर श्रीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। भगवान आदिनाथ जयंती महोत्सव चैत्र कृष्ण नवमी के अवसर पर गुरुवार को तारादेही ग्राम प्रातः बेला में श्रीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर विमानजी में श्रीजी को विराजित करके ग्राम का भ्रमण किया गया शोभा यात्रा में बैंड - बाजों के साथ जैन मंदिर से घर - घर जाकर भगवान का पूजन किया एवं ग्राम में भ्रमण करते हुए मंदिर पहुंचे जिसमें बच्चे, बुजुर्ग, महिलाओं सहित बड़ी संख्या में सकल जैन समाज के लोगों की मौजूदगी रही।

6 एकड़ गेहूं की फसल में लगी आग, जलकर खाक

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

गत दिवस शाम करीब 4 बजे तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 14 में अज्ञात कारणों से गेहूं की खड़ी फसल में भीषण आग लग गई। इस आगजनी में तीन किसानों की मेहनत की कमाई देखते ही देखते राख के ढेर में तब्दील हो गई। तेज हवाओं के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया था, जिससे आसपास के अन्य किसानों में अफरा-तफरी मच गई

जानकारी के अनुसार, आग की लपटों ने किसान ओमकार साहू संतराम प्रजापति सुनील त्रिपाठी के खेतों को अपनी चपेट में लिया इस आगजनी में तीनों किसानों की लगभग 6 एकड़ में लगी गेहूं की तैयार फसल पूरी तरह जल गई। अन्य किसानों एवं लोगों ने फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक फसल का बड़ा हिस्सा जल चुका था आग आगजनी में किसान के खेत में रखे लगभग 50 पाइप और नोजल 6 नोजल भी आग की चपेट में आने से चलकर खाक हो गए। चौराई निवासी भागचंद साहू मालगुजार ने बताया कि अन्य खेतों पर मौजूद किसान अगर तत्परता नहीं दिखाते, तो आग आसपास के अन्य खेतों में भी फैल सकती थी लोगों के सामूहिक प्रयासों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया, जिससे अन्य किसानों की फसल सुरक्षित बच गई इस आगजनी में लगभग 3 लाख रुपए का नुकसान तीनों किसानों को हुआ है जिन्होंने शासन प्रशासन से जल्द से जल्द पटवारी द्वारा नुकसान का आकलन किया जा सके है, जिससे प्रभावित किसानों को राहत राशि मिल सके।

मनेरी इंडस्ट्रियल एरिया में देर रात टायर फैक्ट्री में आग लगी

मंडला। दोपहर मेट्रो

जिले के मनेरी इंडस्ट्रियल एरिया में देर रात टायर फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। आग बुझाने देर रात मंडला और जबलपुर से पहुंची 7 दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया गया। घटना इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के गैस डिपो के पास हुई। आग इतनी भीषण थी कि जलते टायरों में लगातार धमाके हो रहे थे और आग की लपटें कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रही थीं।

पीथमपुर-बेटमा पुलिस ने कार्रवाई

बहला-फुसलाकर डेढ़ साल तक छात्रा के साथ दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

पीथमपुर-बेटमा पुलिस ने नाबालिग छात्रा से बलात्कार के आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह मामला तब सामने आया जब छात्रा ने 24 फरवरी को पीथमपुर के प्रायवेट स्कूल में बने परीक्षा केंद्र में दसवीं का पेपर दे रही नाबालिग द्वारा परीक्षा के दौरान वॉशरूम में एक नवजात शिशु को जन्म दिया था। इस घटना के बाद स्थानीय मीडिया और सोशल मीडिया पर खबरें लगातार प्रसारित हुईं, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। नाबालिग पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसके दोस्त कान्हा बर्मन ने उसे बहला-फुसलाकर अपने किराए के कमरे जीवन ज्योति कॉलोनी में ले जाकर लगभग डेढ़ साल तक लगातार उसके साथ बलात्कार किया। पीड़िता की रिपोर्ट के आधार पर पहले पीथमपुर के सेक्टर एक थाना और फिर बेटमा थाने में दुष्कर्म, पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी बेटमा के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने नाबालिग के घर के आसपास के लोगों और किरायेदारों से पूछताछ कर आरोपी कान्हा बर्मन के बारे में जानकारी जुटाई और कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीम ने 12 मार्च को आरोपी कान्हा बर्मन पिता निलेश बर्मन, उम्र 20 साल, निवासी ग्राम अंजनबयडा, पेटलावद,को धार जिले के मनावर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। जिसे देपालपुर में न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

मेट्रो एंकर

श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने उमड़े श्रद्धालु

रुक्मिणी विवाह केवल प्रेम कथा नहीं, बल्कि परमात्मा के प्रति अटूट श्रद्धा, समर्पण और विश्वास का प्रतीक है

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के वार्ड क्रमांक 8 विद्यानगर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। कथा व्यास पंडित उमाशंकर शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का अत्यंत मार्मिक और सरल शैली में वर्णन किया, जिसे सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण और विदर्भनंदिनी रुक्मिणी के पावन विवाह प्रसंग का विशेष रूप से वर्णन किया गया। व्यास जी ने बताया कि रुक्मिणी विवाह केवल एक प्रेम कथा नहीं, बल्कि परमात्मा के प्रति अटूट श्रद्धा, समर्पण और विश्वास का प्रतीक है। रुक्मिणी ने मन ही मन भगवान श्रीकृष्ण को अपना पति स्वीकार कर लिया था और अपने दूत के माध्यम से उन्हें पत्र भेजकर अपनी भावना प्रकट की। भगवान श्रीकृष्ण ने भक्त की पुकार सुनते हुए रुक्मिणी का हरण कर उन्हें रथ में बिठाकर ले गए और देवताओं की उपस्थिति में विधि-विधान के साथ उनका विवाह संपन्न हुआ। इस प्रसंग के माध्यम से व्यास जी ने बताया कि यदि भक्ति सच्चे मन से की जाए तो भगवान स्वयं अपने भक्तों की रक्षा के लिए सभी बाधाओं को पार कर लेते हैं। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अत्याचारी राजा कंस के वध अर्थात कंस मर्दन प्रसंग का भी भावपूर्ण वर्णन किया गया। व्यास जी ने बताया कि कंस के अत्याचारों से समस्त प्रजा भयभीत थी। भगवान श्रीकृष्ण ने मथुरा पहुंचकर कंस का वध किया और संसार को उसके अत्याचारों से मुक्त कराया। यह प्रसंग हमें यह शिक्षा देता है कि अधर्म और अत्याचार चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः धर्म और सत्य की ही विजय होती है। कथा स्थल पर इन प्रसंगों को जीवंत बनाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी विवाह की सुंदर धार्मिक झांकी भी प्रस्तुत की गई, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। झांकी के दर्शन करते ही पूरा पंडाल भक्ति और उत्साह से गूंज उठा। विवाह प्रसंग के दौरान महिलाओं ने मंगल गीत गाकर वातावरण को और भी भक्तिमय बना दिया। कथा के दौरान भजन-कीर्तन और संकीर्तन से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए उपस्थित रहे और भगवान के नाम का गुणगान किया। व्यास जी ने कहा कि मनुष्य के अनेक जन्मों के पुण्य फल से ही श्रीमद् भागवत कथा सुनने का सौभाग्य प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि श्रद्धा भाव से भागवत कथा का श्रवण करने से मनुष्य के पाप नष्ट हो जाते हैं और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह भागवत कथा स्वर्गीय पंडित सुरेश तिवारी शास्त्री की प्रथम पुण्यतिथि में 8 मार्च से 15 मार्च तक आयोजित की गई है जिसमें लक्ष्मी तिवारी पंडित कृष्णकांत तिवारी, पंडित रमाकांत तिवारी गोपाल प्रसाद तिवारी ,पंडित रमेश तिवारी ,पंडित राजेश तिवारी की अहम भूमिका है। कथा के अंत में सभी श्रद्धालुओं से अपने जीवन में कम से कम एक नेक कार्य को पूरी निष्ठा, लगन और समर्पण के साथ करने का संदेश दिया गया, जिससे व्यक्ति का जीवन सार्थक बन सके और समाज में भी सद्भाव एवं सकारात्मकता का प्रसार हो।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-23, 59 अरेरा हिल्स, नर्मदा भवन, भोपाल (म.प्र.)

फोनः-0755-2761257 E-mail:eenvda23@gmail.com

निविदा सूचना क्र. 10/व.ले.लि.-23/2025-26/694 भोपाल, दिनांकः 12.03.2026

निविदा आमंत्रण सूचना
(द्वितीय आमंत्रण)

ई-टेण्डरिंग पद्धति द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये आनलाईन निविदायें नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।
निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार हैः-

स. क्र.	नि.आ. सू.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर की राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये में)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	10 (IInd Call)	नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के गीतान्जली काम्पलेक्स, भोपाल में सी.सी.टी.व्ही. निगरानी प्रणाली का एक वर्ष के लिए संचालन का कार्य।	Rs. 18.89 लाख (रु. अट्ठारह लाख नवासी हजार मात्र)	Rs. 37,780.00 (रु. सैंतीस हजार सात सौ अस्सी मात्र)	Rs. 2,000.00 (रु. दो हजार मात्र)	लोक निर्माण विभाग द्वारा पंजीकृत नवीन कोई भी श्रेणी	01 वर्ष (वर्षाकाल सहित)

1. निविदा कार्य के प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि : दिनांक 23.03.2026, 17.30 तक
2. धरोहर राशि एवं अर्हता दस्तावेज वेब साईट पर खोलने की अनुमानित तिथि : दिनांक 25.03.2026 10.30

निविदा प्रपत्र केवल उपरोक्त वेबसाईट से निविदा मूल्य डेबिट कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से जमा कर क्रय किये जा सकते है।
निविदा की विस्तृत जानकारी एवं संशोधन के लिये वेबसाईट www.mptenders.gov.in का अवलोकन करें।

जी-27248-25

कार्यपालन यंत्री,
नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-23,
59 अरेरा हिल्स, नर्मदा भवन, भोपाल

एटीपी मास्टर्स के सभी 9 इवेंट्स में आखिरी-4 खेलने वाले पांचवें खिलाड़ी बने

ज्वेरेव पहली बार इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में

कैलिफोर्निया, एजेंसी

जर्मनी के टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इंडियन वेल्स मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार सेमीफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में आर्थर फिल्स को 6-2, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ ज्वेरेव एटीपी मास्टर्स-1000 के सभी नौ टूर्नामेंट में सेमीफाइनल खेलने वाले सिर्फ पांचवें खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच, रोजर फेडरर और एंडी मरे यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। इस उपलब्धि के साथ ज्वेरेव बिग फोर यानी रोजर फेडरर, राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच और एंडी मरे के चुनिंदा खिलाड़ी क्लब में शामिल हो गए हैं। ज्वेरेव ने कहा, इतिहास में ऐसा करने वाले सिर्फ पांच खिलाड़ियों में शामिल होना मेरे लिए बहुत खास है। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर मुझे गर्व है।

सेफा में सिनर से मुकाबला

सेमीफाइनल में ज्वेरेव का मुकाबला इटली के वर्ल्ड नंबर-2 जेनिक सिनर से होगा। सिनर के खिलाफ ज्वेरेव का रिकॉर्ड थोड़ा कमजोर रहा है और वह लगातार पांच मैच हार चुके हैं। सिनर ने क्वार्टरफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन को सिर्फ 66 मिनट में 6-1, 6-2 से हराया। सिनर अभी तक इंडियन वेल्स का खिताब नहीं जीत पाए हैं और इस साल अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश में हैं। इससे पहले वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल और कतर ओपन के क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए थे। क्या है एटीपी मास्टर्स 1000 का 'सेट' टेनिस में ग्रैंड स्लैम के बाद मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट सबसे प्रतिष्ठित माने जाते हैं। एक साल में कुल 9 ऐसे टूर्नामेंट होते हैं, जिनमें इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे कार्लो, मैड्रिड, रोम, कनाडा, सिनसिनाटी, शंघाई और पेरिस शामिल हैं। इन सभी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचना किसी खिलाड़ी की निरंतरता और उच्च स्तर के प्रदर्शन को दर्शाता है। ज्वेरेव ने इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में पहुंचकर अपना यह 'सेट' पूरा कर लिया है।

सबालेंका परीबस ओपन के सेफा में

एरिना सबालेंका ने बीएनपी परीबस ओपन क्वार्टर फाइनल में विक्टोरिया एमबोको को 7-6, 6-4 से हराकर इंडियन वेल्स टेनिस खिताब की ओर अगला कदम बढ़ा दिया। यानिक सिनर, अलेक्जेंडर ज्वेरेव और दानिल मेदवेदेव भी पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गए। मेदवेदेव ने विवादास्पद अंपायर कॉल का फायदा उठाकर गत चैम्पियन जैक ड्रेपर को 6-1, 7-5 से हराया। मेदवेदेव का सामना अब कार्लोस अल्काराज या कैमरन नॉरी से होगा जबकि दूसरे सेमीफाइनल में सिनर की टक्कर ज्वेरेव से होगी। सबालेंका सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की 14वीं वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा से खेलेंगी, जिन्होंने आस्ट्रेलिया की गैर वरीय तालिया गिब्सन को 6-2, 4-6, 6-2 से मात दी। नौवीं वरीयता प्राप्त यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना भी पोलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को 6-2, 4-6, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गई।

5 भारतीय युवा मुक्केबाजों ने पदक किए पक्के

बैंकॉक। भारत के पांच मुक्केबाजों ने शुक्रवार को यहां क्वार्टर फाइनल में शानदार जीत के बाद विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में पोडियम में जगह पक्की कर ली। गुंजन (48 किग्रा), जॉयश्री देवी (54 किग्रा), अंबेकर मीतेई (50 किग्रा), चंद्रिका पुजारी (51 किग्रा) और राधामणि लोंगजाम (57 किग्रा) की जीत से भारत की पदक की उम्मीदें और मजबूत हुईं। ये सभी सेमीफाइनल में पहुंच गए जिससे देश के लिए टूर्नामेंट में पांच पदक पक्के हो गए। सुबह के सत्र में गुंजन ने अजरबेजान की गुलर हुसेनोवा पर 5-0 से जीत हासिल की जबकि जॉयश्री देवी ने पहले दौर में रेफरी द्वारा मुकाबला रोकने (आरएससी) से जापान की यूरा कनेमारू को हराकर शानदार प्रदर्शन किया। अंबेकर मीतेई ने पुरुषों के 50 किग्रा वर्ग में जापान के अकीरा उएकुबो पर 4-1 से जीत दर्ज की। शाम के सत्र में दो और भारतीय मुक्केबाज आगे बढ़ें जिसमें चंद्रिका पुजारी (51 किग्रा) ने दूसरे दौर में स्पेन की एंड्रिया बुएल्गा गार्सिया को आरएससी से हराया जबकि राधामणि लोंगजाम (57 किग्रा) ने इंग्लैंड की सिओभान हेली को 4-1 से मात दी।

इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग: पाक गेंदबाज अबरार को खरीदने पर मचा बवाल

सनराइजर्स को पड़ेगा भारी, आईपीएल में होगा नुकसान, फैंस ने दे दी चेतावनी

मुंबई, एजेंसी

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अंदर आने वाली द हंड्रेड लीग चर्चा में है। गुरुवार को लीग के लिए हुए ऑक्शन के बाद जमकर बवाल हुआ है। दरअसल, 12 मार्च को द हंड्रेड के लिए नीलामी का आयोजन किया गया था। भारतीय सन ग्रुप की स्वामित्व वाली सनराइजर्स लीड्स ने नीलामी में पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद को खरीदा। अब खबर यह है कि सनराइजर्स लीड्स का अबरार अहमद को खरीदना फ्रेंचाइजी पर भारी पड़ सकता है। भारतीय क्रिकेट फैंस सनराइजर्स के इस कदम को देश विरोधी बता रहे हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद का बहिष्कार करने की धमकी

सनराइजर्स लीड्स आईपीएल की सनराइजर्स हैदराबाद से जुड़ी है। ऐसे में सोशल मीडिया पर फैंस आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद का बहिष्कार करने की धमकी दे रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि ऐसे खिलाड़ी को खरीदना, जिसने कथित तौर पर 2025 में भारतीय सेना का मजाक उड़ाने वाला पोस्ट सोशल मीडिया पर किया था, टीम मालिकों की पैसा कमाने की प्राथमिकताओं को देश की भावनाओं पर तरजीह देने जैसा है। बता दें कि सनराइजर्स लीड्स ने ट्रेंट रॉकेट्स से अधिक बोली लगाते हुए अबरार को साइन कर सभी को हैरान कर दिया।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर नहीं लगनी थी बोली?

नीलामी से पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि द हंड्रेड में शामिल चार भारतीय स्वामित्व वाली टीमें- सनराइजर्स लीड्स, एमआई लंदन, मैनचेस्टर सुपर जायंट्स और सदर्न ब्रेव, पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर बोली लगाने से बचेंगी। हालांकि, ईसीबी ने नीलामी से पहले सभी आठ टीमों को चेतावनी दी थी कि राष्ट्रीयता के आधार पर खिलाड़ियों को न लेना यूके के एंटी-डिस्क्रिमिनेशन कानूनों का उल्लंघन है। भारतीय स्वामित्व वाली टीमें एसए20 और आईएलटी 20 जैसी अन्य लीगों में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को साइन नहीं करती हैं। अबरार को सनराइजर्स लीड्स ने हेड कोच डेनियल विटोरी की अगुवाई में एक रणनीतिक निर्णय के तहत खरीदा।

अबरार से करार करने पर बीसीसीआई को चिंता नहीं

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने द हंड्रेड नीलामी के दौरान सनराइजर्स लीड्स द्वारा पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद को खरीदने को ज्यादा अहमियत नहीं दी और शुक्रवार को कहा कि विदेशी लीग में लिया गया फैसला बोर्ड के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। चेन्नई के मीडिया ग्रुप सन ग्रुप के स्वामित्व वाली सनराइजर्स लीड्स ने बृहस्पतिवार को द हंड्रेड खिलाड़ियों की नीलामी के दौरान पाकिस्तान के स्पिनर अबरार से करार किया जिससे वह टूर्नामेंट में किसी भारतीय मालिकाना हक वाली फ्रेंचाइजी द्वारा चुने जाने वाले पहले पाकिस्तानी क्रिकेटर बन गए। शुक्ला ने कहा, यह हमारे लिए चिंता का विषय नहीं है। यह आईपीएल नहीं है। द हंड्रेड या दूसरी विदेशी लीग में क्या होता है, हमें इससे कोई लेना-देना नहीं है। ट्रेंट रॉकेट्स के साथ बोली लगाने की होड़ के बाद सनराइजर्स ने अहमद की सेवाएं लेने के लिए 190000 पाउंड (लगभग 2.34 करोड़ रुपये) दिए। यह टूर्नामेंट 21 जुलाई से 16 अगस्त तक चलेगा। अबरार को खरीदने के बाद सनराइजर्स लीड्स को काफी आलोचना का सामना करना पड़ा और टीम का एक्स अकाउंट कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया गया। आईपीएल की फ्रेंचाइजी ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच खराब राजनयिक रिश्तों के कारण 2009 से पाकिस्तानी खिलाड़ी से कोई अनुबंध नहीं किया है।

वॉन का बेतुका बयान: द. अफ्रीका को बेवकूफ कहा, बोले-

भारत को बाहर करने के लिए उन्हें विंडीज से हार जाना था

लंदन। टी20 विश्व कप 2026 में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने ऐसा बयान दिया है जिसे कई लोग क्रिकेट की मर्यादा के खिलाफ मान रहे हैं। वॉन ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने बेवकूफी की, क्योंकि अगर वह वेस्टइंडीज से हार जाते तो भारत सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाता।

एक क्रिकेट पॉडकास्ट में बात करते हुए माइकल वॉन ने कहा कि टूर्नामेंट में सबसे बड़ी गलती दक्षिण अफ्रीका की टीम ने की। उन्होंने कहा, मैं आपको बताता हूं, टूर्नामेंट की सबसे बेवकूफ टीम कौन थी- दक्षिण अफ्रीका। अगर उन्होंने सुपर-8 में वेस्ट इंडीज को जीतने दिया होता, तो भारत बाहर हो जाता। वॉन के मुताबिक अगर दक्षिण अफ्रीका उस मैच में हार जाता तो वेस्टइंडीज की टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाती और भारत का अभियान वहीं खत्म हो जाता। वॉन ने अपने बयान में आगे कहा कि किसी भी टूर्नामेंट को जीतने के लिए सबसे मजबूत टीम को रास्ते से हटाना जरूरी होता है। उन्होंने कहा, अगर उन्होंने भारत को बाहर कर दिया होता तो जो लहर चल रही थी वह रुक जाती। टूर्नामेंट की सबसे अच्छी टीम को टी20 वर्ल्ड कप जीतने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका उन्हें बाहर करना था। दक्षिण अफ्रीका ने वह मौका गंवा दिया। वॉन ने यह भी कहा कि दक्षिण अफ्रीका की जीत के बाद भारत का आत्मविश्वास और बढ़ गया और टीम ने लगातार मैच जीतते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। वॉन ने कहा, दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को हराकर, भारतीय टीम की जीत का सिलसिला जारी रहने दिया। इंडिया ने फिर जिम्बाब्वे को हराया, फिर एक तरह के क्वार्टर फाइनल में वेस्टइंडीज को, और फिर सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराया।

आईसीसी नियमों के खिलाफ है ऐसी सोच

हालांकि, वॉन का यह बयान काफी विवादास्पद माना जा रहा है, क्योंकि किसी टीम का जानबूझकर मैच हारना क्रिकेट के नियमों और खेल भावना के पूरी तरह खिलाफ है। आईसीसी के भ्रष्टाचार विरोधी नियमों के अनुसार अगर किसी टीम या खिलाड़ी पर जानबूझकर मैच हारने या फिक्सिंग का आरोप साबित हो जाए तो कड़ी सजा का प्रावधान है। ऐसे मामलों में खिलाड़ियों पर लंबे समय का प्रतिबंध भी लगाया जा सकता है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

जब फातिमा ने सानिया को कर दिया था घायल, दंगल के सेट का याद किया मंजर

मुंबई। अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने हाल ही में सोहा अली खान के पॉडकास्ट में अपनी निजी जिंदगी के एक संवेदनशील पहलू पर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने इस एपिसोड में अपनी बीमारी मिर्गी के बारे में विस्तार से बताया।

सोहा के पॉडकास्ट की खासियत है कि जब कोई मेहमान अपनी बीमारी के बारे में बात करता है, तो सोहा उस विषय की विशेषज्ञ डॉक्टर को भी बुलाती हैं। फातिमा के समय भी कुछ ऐसा ही था। उनके साथ न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. जयंती मणि भी मौजूद थीं। इस पॉडकास्ट में न्यूरोलॉजिस्ट ने दोनों अभिनेत्रियों को इसके बारे में विस्तार से बताया।

सोहा ने कहा, दंगल की शूटिंग के दौरान आपको मिर्गी (एपिलेप्सी) होने का पता चला। फातिमा ने कहा, यह मेरे लिए बहुत ही दर्दनाक अनुभव था। मुझे जैसे ही समझ में आया कि मुझे सीजर आने वाला है, मैंने वहां मौजूद लोगों को इस बात की जानकारी दी, लेकिन किसी को इसके बारे में पता ही नहीं था, लेकिन किस्मत से आमिर खान और सानिया वहां मौजूद थे। मैंने सानिया को अनजाने में काट लिया और उसके हाथ से खून बहने लगा। मुझे उस घटना की कोई याद नहीं रही। बस इतना पता है कि मैं बहुत डर गई, बेहोश हो गई और फिर अस्पताल में थी।

फातिमा ने बताया कि शुरुआत में कई लोगों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। कुछ ने सोचा कि यह ध्यान खींचने का एक तरीका है या शायद किसी नशीले पदार्थ की वजह से हुआ है। फातिमा ने कहा, मुझे हैरानी तब हुई जब डॉक्टर ने मेरे पेरेंट्स से कहा कि इसे गंभीरता से न लें। यह आम बात है। न्यूरोलॉजिस्ट ने समझाया कि मिर्गी महिलाओं में आना भी आम है। उन्होंने कहा, एक बार दौरा पड़ना सीजर कहलाता है। अगर यह बार-बार हो, तो इसे मिर्गी या एपिलेप्सी कहते हैं। फातिमा ने बताया कि शुरुआत में वे इनकार में रहीं। वे सोचती थीं, मैं पागल नहीं हूं, मुझे दवाइयां क्यों दी जा रही हैं?

मेट्रो बाजार

निफ्टी की 500 कंपनियों का मुनाफा तीसरी तिमाही में 16 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । भारत में निफ्टी 500 कंपनियों के मुनाफे में वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की बढ़त हुई है। यह पिछली आठ तिमाही में सबसे अच्छी वृद्धि दर है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी की गई रिपोर्ट में दी गई। बजाज फिनसर्व एएमसी की रिपोर्ट में कहा गया कि यह व्यापक बाजार में मुनाफे में रिकवरी को दिखाता है और इक्विटी मार्केट के आगे बढ़ने के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है।

हालांकि, आंकड़ों से पता चलता है कि कई वैश्विक बाजारों में मजबूत तेजी के बावजूद घरेलू शेयर बाजार लगभग 18 महीनों से सीमित दायरे में ही बने हुए हैं, हालांकि घरेलू बुनियादी कारकों में सुधार से शुरुआती कुछ प्रतिकूल परिस्थितियां कम होने लगी हैं। बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के इक्विटी हेड सोभ गुप्ता ने कहा, ÷पिछले कुछ तिमाहियों में कंपनियों की आय में मजबूत वृद्धि हुई है। लेटेस्ट रिपोर्टिंग तिमाही में मुनाफे में व्यापक सुधार को दर्शाता है, जो आगे चलकर शेयर बाजारों के लिए अधिक सहायक आधार प्रदान करता है। अन्य घरेलू संकेतकों में भी सुधार हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऋण वृद्धि दोहरे अंकों में लौट आई है, जो मजबूत मांग और बेहतर तरलता को दर्शाती है, जबकि जीएसटी कटौती के बाद उपभोग संकेतक भी सुधरने लगे हैं। इसमें यह भी बताया गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा कुल 125 आधार अंकों की ब्याज दर कटौती और तरलता बढ़ाने के उपायों से कंपनियों और उपभोक्ताओं के लिए उधार लेने की लागत कम हुई है। हालांकि, 2026 में उत्पन्न हुई नई अनिश्चितताओं ने बाजार में अस्थिरता बढ़ा दी है। वैश्विक स्तर पर एआई के तेजी से विस्तार ने भारतीय आईटी सेवाओं की मांग और रोजगार सृजन पर संभावित अल्पकालिक प्रभावों को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने गाड़ियों के दाम करीब 2 प्रतिशत बढ़ाए, एक अप्रैल से होंगे लागू

नई दिल्ली । लग्जरी गाड़ियां बनाने वाली कंपनी मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने अपनी सभी गाड़ियों की कीमतों को करीब 2 प्रतिशत तक बढ़ाने का ऐलान किया। नई कीमतें 1 अप्रैल, 2026 से लागू होंगी। कंपनी ने कहा कि यह कदम लगातार विदेशी मुद्रा अस्थिरता और बढ़ती इनपुट लागतों के जवाब में उठाया गया है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के सेल्स एंड मार्केटिंग वाइस प्रेसिडेंट ब्रेंडन सिसिंग के अनुसार, यह निर्णय मुख्य रूप से यूरो के मुकाबले भारतीय रुपए के लगातार अवमूल्यन के कारण लिया गया है, जिससे कंपनी की परिचालन लागत बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि कंपनी हमेशा बढ़ती लागतों को वहन करने का प्रयास करती है, लेकिन कारोबार की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कीमतों में बढ़ोतरी करना आवश्यक हो गया है। सिसिंग ने कहा, 1 अप्रैल से, हम अपने सभी कारों की कीमतों में लगभग 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी करेंगे। यह निर्णय मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा बाजार में निरंतर अस्थिरता, विशेष रूप से यूरो के मुकाबले रुपए के लगातार अवमूल्यन और बढ़ती लागतों के कारण लिया गया है। सिसिंग ने आगे कहा कि मर्सिडीज-बेंज इंडिया ग्राहकों पर न्यूनतम प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक मूल्य वृद्धि लागू करेगी। उन्होंने कहा कि मूल्य समायोजन के बावजूद कंपनी प्रीमियम उत्पाद और सर्वश्रेष्ठ ग्राहक अनुभव प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा, ÷हालांकि हम लागत दबाव को कम करने का हमेशा प्रयास करते हैं, लेकिन व्यवसाय की स्थिरता बनाए रखने के लिए कुछ मूल्य समायोजन आवश्यक हो जाता है। हमारा ध्यान ग्राहकों पर न्यूनतम प्रभाव सुनिश्चित करने और सर्वश्रेष्ठ उत्पाद और अनुभव प्रदान करना जारी रखने पर केंद्रित है।÷

गुंडों के बीच फंसी तान्या मित्तल, छोटा डॉन बनकर बचाने आए राजपाल यादव

9 करोड़ के कर्ज मामले में राजपाल यादव को जेल जाना पड़ा था. इस वक्त वो जमानत पर बाहर हैं. जेल से बाहर निकलने के बाद राजपाल प्रोफेशनल लाइफ में बिजी हो चुके हैं. फैन्स को हैरानी तब हुई जब राजपाल को बिग बॉस 19 फेम तान्या मित्तल के साथ देखा गया. आपके मन में ये ख्याल आना जायज है कि आखिर वो तान्या मित्तल के साथ क्या कर रहे हैं.

असल में राजपाल यादव और तान्या मित्तल एक ब्यूटी-ग्रूमिंग ऐप के विज्ञापन के लिए साथ आए हैं. एक्टर ने विज्ञापन का वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. इसमें दिखाया जाता है कि तान्या गुंडों के बीच फंस जाती हैं. गुंडों ने उन्हें जोर से पकड़ा हुआ है. वो खुद को बचाने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन बच नहीं पा रही हैं.

तान्या को मुश्किल में देख छोटा डॉन (राजपाल यादव) आते हैं. छोटा डॉन को देखकर गुंडे डर जाते हैं. इसके बाद राजपाल गुंडो की जमकर पिटाई करते हैं और तान्या को बचा लेते हैं. प्रोमो के एंड में तान्या घर पर ब्यूटी सर्विस लेती नजर आ रही हैं. वो फेशियल करने वाली प्रोफेशनल को उनके साथ हुई घटना की कहानी सुनाती दिखती हैं.

तान्या और राजपाल यादव को साथ देखना फैन्स के लिए बड़ा सरप्राइज है. फैन्स ने वीडियो पर कमेंट करते हुए कहा कि तान्या की परफॉर्मेंस लाजवाब है. एक फैन ने लिखा कि क्या कमबैक है. कई लोगों ने लिखा इस कोलैब की उम्मीद नहीं थी, तान्या और राजपाल ये कब हुआ. कुछ लोगों ने चुटकी लेते हुए कहा कि छोटा डॉन के साथ अच्छे वाले गुंडे लाने चाहिए थे.

प्रदेश में मौसम विभाग का हल्की बूंदाबांदी का अनुमान, गिरेगा पारा

राजधानी भोपाल में पारा 37.8 पर, सामान्य से 4° ज्यादा

मार्च में हो रहा मई का अहसास नर्मदापुरम में तापमान 40° पार

भोपाल, एजेंसी

राजस्थान की ओर से आ रही गर्म हवाओं का असर अब मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में साफ दिखाई देने लगा है। तेज धूप और शुष्क हवाओं के कारण प्रदेश में दिन के तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इसी के चलते नर्मदापुरम् में लगातार दूसरे दिन तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और लू जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। राजधानी भोपाल का तापमान 37.8 दर्ज किया गया है जो सामान्य से 4 डिग्री ज्यादा है।

मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा, लेकिन आज से सक्रिय होने वाले पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में कुछ बदलाव देखने को मिल सकता है। मौसम केंद्र के अनुसार नर्मदापुरम में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेज गर्म हवाओं और लू के कारण दिन के समय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं रतलाम और मंडला में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा दर्ज किया गया। प्रदेश के अन्य संभागों में तापमान 35 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी

प्रदेश में तीखी धूप और गर्म हवाओं के कारण दिन के तापमान में औसतन चार डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं रात के तापमान में भी एक से डेढ़ डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हुई है।

चार प्रमुख शहरों का तापमान

नर्मदापुरम	40.1
रतलाम	39.9
धार	38.4
भोपाल	37.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में

आज से मौसम ले सकता है करवटः पहाड़ों में बारिश-बर्फबारी, कई मैदानी राज्यों में आंधी और बिजली के आसार

नई दिल्ली। देश में मौसम एक बार फिर तेजी से करवट लेने वाला है। भारत मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार आज एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत में प्रवेश कर रहा है। इसके प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश व ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है, जबकि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक, वज्रपात और हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि देश के कुछ हिस्सों, खासकर गुजरात और पश्चिमी मध्य प्रदेश में गर्मी और लू का असर जारी रहने की आशंका भी बनी हुई है। पश्चिमी विक्षोभ का सबसे ज्यादा असर जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार आज और कल जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। इसके बाद 15 से 18 मार्च के बीच इन राज्यों में बारिश और बर्फबारी की गतिविधियों में और तेजी आने की संभावना जताई गई है। कुछ इलाकों में आंधी और बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। इस दौरान हवा की रफ्तार 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

पूर्वोत्तर भारत में आंधी-तूफान की आशंका

आज असम और मेघालय में तेज आंधी-तूफान, बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के कुछ हिस्सों में भी आंधी, वज्रपात और गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

न्यूज विंडो

जम्मू-कश्मीर में 18 फीसदी बढ़ेगा यात्री किराया, कैबिनेट ने दी मंजूरी

जम्मू। प्रदेश कैबिनेट ने अहम फैसले लेते हुए यात्री बस किराये में 18 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी है।

विधायक निधि एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर चार करोड़ रुपये कर दी है। मंत्रियों और विधायकों के दैनिक भत्ते और चिकित्सा सुविधाएं बढ़ाने को हरी झंडी दी है। छह नए शहर बसाने को भी मंजूरी मिल गई है। सरकार ने इस योजना को बजट में रखा था। कैबिनेट बैठक सीएम उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री आवास पर हुई। यात्री किराये में बढ़ोतरी पर चर्चा के बाद इसे मंजूरी दे दी गई। ई-रिक्शा के लिए किराया 15 रुपये प्रति किलोमीटर, ई-ऑटो के लिए पहले किलोमीटर के लिए 25 रुपये और उसके बाद के किलोमीटर के लिए 20 रुपये निर्धारित करने की सिफारिश परिवहन विभाग से आई थी। इसे भी कैबिनेट में पारित कर दिया गया।

केमिकल गंध के कारण वॉशिंगटन एयरपोर्ट पर बाधित रही हवाई सेवा

वॉशिंगटन । अमेरिका में एक अजीब घटना के कारण वॉशिंगटन डीसी और आसपास के चार बड़े हवाई अड्डों पर उड़ानें कुछ समय के लिए रोक दी गईं। बताया गया कि एअर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर में केमिकल की तेज गंध फैलने लगी थी, जिससे वहां काम कर रहे कर्मचारियों को परेशानी हो रही थी। इस वजह से लगभग एक घंटे से ज्यादा समय तक कई उड़ानों को रोका गया और कई फ्लाइट्स को और ज्यादा देरी का सामना करना पड़ा। बता दें कि इस घटना के चलते वॉशिंगटन के रोनाल्ड रीगन वाशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट, वाशिंगटन डलेस इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बाल्टीमोर-वाशिंगटन इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रिचमंड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर असर पड़ा। जहां की विमान सेवा एक घंटे तक बाधित रहीं।

पड़ोसन ने 2 साल के बच्चे को उतारा मौत के घाट, बोरे में मिला मासूम का शव

» वंश खत्म करने की दी थी धमकी

शिवहर। जिले से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आ रही है। यहां नगर थाना क्षेत्र के ताजपुर गांव में पुरानी दुश्मनी में गला दबाकर 2 साल के बच्चे की हत्या कर दी गई है। बच्चे का शव पड़ोसी के घर से बोरे में मिला है। मृतक की पहचान ताजपुर निवासी अरुण साह के पुत्र सुजीत कुमार (02) के रूप में की गई है। दोपहर बच्चा अपने घर से लापता हो गया था, इसकी सूचना पुलिस को दी गई थी। सूचना के बाद पुलिस की टीम भी खोजबीन में जुट गई थी। वहीं अब बच्चे का शव पड़ोसी के घर मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है।

पड़ोसी के घर में मिला बच्चे का शव

एसपी ने बताया कि बच्चा लापता था, जिसकी सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम बच्चे की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस को सूचना मिली है पड़ोसी पर इल्जाम लग रहा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पडीसी के घर से बोरे में बन्द बच्चे के शव को बरामद कर लिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पड़ोसी महिला पार्वती देवी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी महिला ने पूछताछ के दौरान अपना गुनाह कबूल कर लिया है। पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक अरुण साह के स्वजनों का पार्वती देवी के बीच एक माह पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के दौरान पार्वती देवी ने वंश खत्म करने की धमकी दी थी। अरुण साह असम के दीमापुर में मजदूरी करता है। शुक्रवार की दोपहर से ही उसका पुत्र सुजीत कुमार दरवाजे पर खेल रहा था।

रायपुर फैक्ट्री में आग ट्रैक्टर-मशीनें जलीं, दो कर्मचारियों को बचाया

रायपुर। राजधानी रायपुर के उरला औद्योगिक क्षेत्र में देर रात एक लकड़ी फैक्ट्री में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि फैक्ट्री परिसर में रखा एक ट्रैक्टर और कई मशीनें जलकर पूरी तरह नष्ट हो गईं। घटना के समय फैक्ट्री के अंदर मौजूद दो कर्मचारियों को दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

मिली जानकारी के अनुसार उरला थाना क्षेत्र स्थित भीम सरिया मिनरल प्रा. लि. की लकड़ी फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात करीब आधी रात के आसपास अचानक आग लग गई। आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप ले लिया और फैक्ट्री के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। फैक्ट्री से उठती तेज लपटें और घना धुआं देखकर आसपास के लोग घबरा गए।

आरोप-प्रत्यारोप

जाति देख करते है फेल : राहुल डीयू बोला-पहले फैक्ट चेक करें

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी कांशीराम जयंती पर हुए संविधान सम्मेलन में हिस्सा लेने लखनऊ पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी (DU) में जाति देखकर इंटरव्यू में फेल करने का आरोप लगाया। राहुल ने कहा- 'मैं दिल्ली यूनिवर्सिटी गया था। इंटरव्यू में बच्चों को निकालने का तरीका है। आपकी जाति क्या है भैया, आप इंटरव्यू में फेल। '

दिल्ली यूनिवर्सिटी ने राहुल के इस बयान को खारिज कर दिया है। यूनिवर्सिटी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा-यूनिवर्सिटी ष्टश्वञ्ज स्कोर के आधार पर एडमिशन देती है। कई ग्रेजुएशन-पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्सेस के लिए इंटरव्यू जरूरी नहीं हैं। राहुल को बयान देने से पहले फैक्ट्स की जांच करना चाहिए।

ऐसे कमेंट्स से माहौल खराब करते हैं

दिल्ली यूनिवर्सिटी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि यदि राहुल गांधी का संकेत फैकल्टी रिक्रूटमेंट पर था, तो हाल के समय में सभी कैटेगरी में हजारों शिक्षकों की नियुक्तियां की गई हैं।डीयू ने राहुल गांधी के बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा- हम ऐसी टिप्पणियों का कड़ा विरोध करते हैं, क्योंकि वे विश्वविद्यालय में एक ऐसा माहौल बनाती हैं जो पढ़ाई-लिखाई के लिए अनुकूल नहीं होता।कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भी निशाना साधते हुए कहा कि संगठन के ढांचे में पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व कम है। उन्होंने दावा किया कि RSS के प्रचारकों की सूची में OBC, दलित या आदिवासी समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं दिखता।

राहुल बोले- मोदी साइकोलॉजिकली खत्म

राहुल ने कहा था, नरेंद्र मोदी साइकोलॉजिकली खत्म हो गए हैं। मोदी अब भारत के प्रधानमंत्री नहीं रहे, वे अमेरिका के लिए काम कर रहे हैं और नरेंदर ने सरेंडर कर दिया है। जब मैं यह बात संसद में बोलने जा रहा था तो नरेंद्र मोदी जी भाग कर निकल गए। उन्होंने कहा कि राहुल ने कहा कि कांशीरामजी समाज में बराबरी की बात करते थे। अगर जवाहर लाल नेहरू जी जिंदा होते तो कांशीराम जी कांग्रेस के मुख्यमंत्री होते। लेकिन आज भाजपा ने समाज को 15 और 85 बांट दिया है। फायदा सिर्फ 15% वालों को मिल रहा है। 50% को अलग-अलग कर दिया गया।

एच-1बी वीजा नियमों में बदलाव, अब वेतन से तय होगा अमेरिका में नौकरी का मौका

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने एच-1बी वीजा को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अब इस वीजा के लिए चयन केवल लॉटरी प्रणाली से नहीं होगा। नई व्यवस्था में नौकरी के वेतन को भी अहम आधार बनाया जाएगा। इसका मतलब यह है कि जिस नौकरी का वेतन ज्यादा होगा, उस आवेदक को चयन प्रक्रिया में ज्यादा मौके मिलेंगे। यह बदलाव अमेरिका में काम करने का सपना देखने वाले हजारों विदेशी पेशेवरों, खासकर आईटी क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए अहम माना जा रहा है।अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा यानी यूएससीआईएस ने एच-1बी वीजा से जुड़े नियमों में बदलाव करते हुए फॉर्म आई-129 का नया संस्करण जारी किया है। यह नया फॉर्म 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। अब कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों को अमेरिका में काम के लिए बुलाने के दौरान नौकरी और वेतन से जुड़ी ज्यादा स्पष्ट जानकारी देनी होगी। नई प्रक्रिया का मकसद चयन प्रणाली को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाना बताया जा रहा है।

नियम में वेतन के आधार पर चयन

नए नियम के तहत एच-1बी वीजा के आवेदकों को चार अलग-अलग वेतन स्तरों में बांटा जाएगा। स्तर-एक उन नौकरियों के लिए होगा जो प्रवेश स्तर की होंगी और जिनमें कम अनुभव की जरूरत होगी। स्तर-दो उन पदों के लिए होगा जिनमें कुछ अनुभव जरूरी माना जाएगा। स्तर-तीन अनुभवी पेशेवरों के लिए होगा, जबकि स्तर-चार सबसे अधिक अनुभव और जिम्मेदारी वाले पदों के लिए रखा गया है।

मेट्रो एंकर

वर्तमान परिस्थिति में भारत की विदेश नीति पर पूर्व राजनयिक अकबरुद्दीन का लेख

आलोचना करने वाले विपक्ष को दिया करारा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर और ईरान युद्ध को देखते हुए भारत की विदेश नीति को लेकर इन दिनों नई बहस छिड़ी हुई है। कुछ आलोचकों का आरोप है कि भारत की नीति अमेरिका के प्रति अत्यधिक झुकी हुई दिखाई देती है, इजरायल के साथ उसके संकेत सहज हैं और कई मामलों में वह अमेरिकी दबाव के अनुरूप खुद को ढालता दिखता है। कूटनीतिक हलकों में यह भी तर्क दिया जा रहा है कि मौजूदा वैश्विक व्यवस्था में भारत की प्राथमिकता निर्भीक दिखने की नहीं, बल्कि रणनीतिक लचीलापन बनाए रखने की है, ताकि बदलते हालात में अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जा सके। संयुक्त राष्ट्र (ह्न) में भारत के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन ने विदेश नीति की आलोचना करने वालों को सीधे तरीके से समझाने की कोशिश की है। साथ ही यह भी बताया है कि विदेश नीति समय की जरूरत के हिसाब से तय होती है।

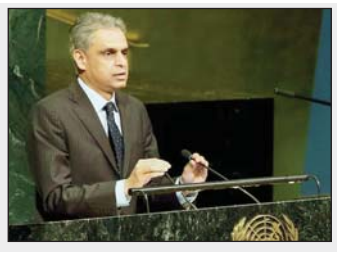

'कूटनीति हमेशा सुंदर दिखाई दे, यह जरूरी नहीं'

इसी कारण भारत की विदेश नीति का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जाना चाहिए कि वह कितनी निर्भीक दिखाई देती है। असली सवाल यह है कि क्या भारत के पास ऊर्जा के विकल्प, आर्थिक मजबूती, तकनीकी पहुंच और रणनीतिक साझेदारियों के रूप में पर्याप्त स्वतंत्रता है, जिससे वह किसी एक शक्ति के दबाव में न फंस जाए। विश्लेषकों का मानना है कि आज का भारत पहले की तुलना में अधिक समृद्ध है, लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था से उसकी जुड़ाव भी कहीं अधिक गहरा है।

सैयद अकबरुद्दीन ने एक लेख के जरिये बताया कि विश्लेषकों का कहना है कि दिल्ली में चल रही विदेश नीति की बहस अक्सर वैचारिक गुटों में सिमट जाती है, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। भारत को ऊर्जा, तकनीक, पूंजी, सप्लाई चेन और सुरक्षा जैसे कई क्षेत्रों में बाहरी दुनिया से गहरे जुड़ाव के कारण अलग-अलग जोखिमों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में विदेश नीति का उद्देश्य किसी एक ध्रुव के साथ पूरा सहयोग या दूरी नहीं, बल्कि इन जोखिमों को संतुलित करना है। सैयद अकबरुद्दीन कहते हैं कि भारत की विदेश नीति की आलोचना मुख्य रूप से तीन आधारों पर की जा रही है - निर्भरता , असमानता और संकेत । पहला तर्क यह है कि भारत अपनी नीतियों को इस तरह मैनेज करता है कि वह अमेरिका की सहजता की सीमा के भीतर रहे। दूसरा तर्क यह है कि भारत अमेरिका और इजरायल की सैन्य कार्रवाइयों के प्रति अपेक्षाकृत संयमित प्रतिक्रिया देता है, जबकि उनके जवाबी कदमों की आलोचना में अधिक मुखर दिखाई देता है। तीसरा तर्क यह है कि भारत की कूटनीतिक भाषा और व्यवहार धीरे-धीरे व्यापक अमेरिका-इजरायल ढांचे के अनुरूप दिखाई देने लगे हैं।

नया दृष्टिकोण: हालांकि, हालिया आर्थिक फैसले इस बहस को नया दृष्टिकोण देते हैं। उदाहरण के लिए चीनी निवेश से जुड़े नियमों में आंशिक ढील को कुछ लोग नीति में बदलाव के रूप में देख रहे हैं। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार यह कदम चीन के प्रति अविश्वास खत्म होने का संकेत नहीं, बल्कि भारत की औद्योगिक और तकनीकी जरूरतों के चलते लिया गया व्यावहारिक निर्णय है। मैन्यूफैक्चरिंग, तकनीकी सहयोग और पूंजी निवेश की बढ़ती जरूरतों ने इस मामले में कठोर रुख के प्रतीकात्मक महत्व को पीछे छोड़ दिया। ऊर्जा के मोर्चे पर रूस से तेल खरीद का मुद्दा भी इसी प्रकार की जटिलता को दर्शाता है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद भारत ने बड़ी मात्रा में रियायती रूसी कच्चा तेल खरीदा, जिससे घरेलू महंगाई पर नियंत्रण रखने और आर्थिक वृद्धि को सहारा देने में मदद मिली। आलोचकों ने इसे पश्चिमी दबाव के बावजूद रूस के पक्ष में झुकाव बताया, लेकिन सरकार का तर्क था कि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देना आवश्यक था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564